■ माघ कृष्ण - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 180 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 25-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जातिवाद-परिवारवाद की राजनीति वे लोग कर रहे जिन्होंने केवल परिवार की चिंता की : योगी

6 लोकतंत्र की मज़बूती के लिए मतदाता जागरूकता जरूरी

7 ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा से जुड़ीं, पिंडदान किया

फर्स्ट टेक

इसरो का श्रीहरिकोटा से 29 को होगा 100वां प्रक्षेपण

बेंगलूरु/भाषा। इसरो 29 जनवरी को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपना 100वां उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एजेंसी जीएसएलवी-एफ15 एनवीएस-02 मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बयान में कहा कि स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण के साथ जीएसएलवी-एफ15 एनवीएस-02 उपग्रह को भूसमकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित करेगा और प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से किया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि एनवीएस-02 में सटीक समय अनुमान के लिए स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों के संयोजन का उपयोग किया गया है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से बात करूंगा : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को समझदार व्यक्ति करार देते हुए कहा कि वह उनसे बातचीत करेंगे। 'फॉक्स न्यूज' पर सीन हैनिटी ने ट्रंप का साक्षात्कार लेते हुए पूछा कि क्या वह उत्तर कोरिया के अपने समकक्ष से बात करने की योजना बना रहे हैं तो ट्रंप ने कहा कि वह बात करेंगे। ट्रंप ने कहा, मैं काफी पहले उनसे मिला था। वह कोई धार्मिक कट्टरपंथी नहीं है। मैं उनसे दोबारा बातचीत करूंगा। ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में 2018 में सिंगापुर में किम से मुलाकात की थी।

रूस से सस्ता तेल मिलने पर भारत उसे खरीदना जारी रखेगा : पुरी

मुंबई/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिलना जारी रहने की स्थिति में भारत उसकी खरीद जारी रखेगा। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि सरकार सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए 'प्रतिबद्ध' है। पुरी ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर रूस का तेल अच्छी छूट पर उपलब्ध रहता है तो भारत इसे खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हम फरवरी, 2022 में रूस से 0.2 प्रतिशत से भी कम तेल खरीदते थे। अब हम 30 प्रतिशत तेल रूस से खरीद रहे हैं। अगर यह अच्छी छूट पर उपलब्ध है, तो हम इसे खरीदेंगे। अगर यह कहीं और भी रियायती दर पर उपलब्ध है, तो हम वहां से खरीदेंगे। मंत्री ने कहा कि भारत किसी से कोई मात्रा खरीदने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं और यह प्रतिबद्धता सिर्फ सबसे किफायती कीमत वाली ऊर्जा खरीदने के लिए है।

सूर्यास्त 25-01-2025 6:06 बजे	सूर्योदय 26-01-2025 6:35 बजे
BSE 76,190.46 (-329.92)	NSE 23,092.20 (-113.15)
सोना 8,245 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

संभलो यारों

कौम नहीं कोई खतरे में,
खतरे में है आजादी।
आपस में ही बने हुए हैं,
हम क्यों वादी प्रतिवादी।
हमने नफरत की दीवारें,
अपने हाथों चुनवादी।
भोले भारतवासी संभलो,
वर्ना होगी बरबादी।।

महाराष्ट्र के भंडारा में आयुध फैक्टरी में विस्फोट, आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भंडारा (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह एक आयुध फैक्टरी में विस्फोट हो जाने से आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि राहत एवं बचाव कार्य जारी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी।

गडकरी ने संवाददाताओं से कहा, शुरुआती जानकारी के अनुसार, विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और सात लोगों के घायल होने की सूचना है।

इससे पहले, उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया था, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भंडारा जिले में एक आयुध कारखाने में विस्फोट और छत गिरने से एक कर्मी की मौत हो गई तथा कई अन्य मलबे में फंस गए। घटना में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारण इकाई की छत गिर गई। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर खोज और बचाव कार्य जारी है।

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि घटनास्थल पर 13 से 14 कर्मी फंस गए हैं।

पुलिस एवं जिला अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित आयुध फैक्टरी के 'एलटीपी सेक्शन' में सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुआ।

350 करोड़ रुपए के क्रिप्टो पोंजी घोटाले का भंडाफोड़

सीबीआई ने देश भर में सात स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **अधिकारियों के मुताबिक आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर दिल्ली, हजारीबाग, बठिंडा, रतलाम, वलसाड, पुडुक्कोट्टई और चित्तौड़गढ़ शहरों में स्थित सात अलग-अलग मॉड्यूल चला रहे थे, जो क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का वादा करके निवेशकों से पैसे लेते थे।**

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सात लोगों के खिलाफ 350 करोड़ रुपए के क्रिप्टो पोंजी घोटाले का मामला दर्ज करने के बाद इस सिलसिले में सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर दिल्ली, हजारीबाग, बठिंडा, रतलाम, वलसाड, पुडुक्कोट्टई और चित्तौड़गढ़ शहरों में स्थित सात अलग-अलग मॉड्यूल चला रहे थे, जो क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का वादा करके निवेशकों से पैसे लेते थे।

सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, इन पोंजी योजनाओं को अनेक सोशल मीडिया समूहों के माध्यम से प्रचारित किया जा रहा था। बैंक खातों के लेन-देन और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट्स के विश्लेषण से पता चला है कि इन योजनाओं से प्राप्त अवैध आय को क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित किया जा रहा था ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि इन योजनाओं में 350 करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन किया गया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को दिल्ली, झारखंड, पंजाब, मध्यप्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु और राजस्थान में कई स्थानों पर छापेमारी की।

तलाशी के दौरान, सीबीआई ने आरोपी व्यक्तियों के क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में कुल 38,414 अमेरिकी डॉलर (लगभग) की डिजिटल आभासी संपत्ति जब्त की, जिसे जांच के लिए डिजिटल रूप से सुरक्षित कर लिया गया था।

सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, तलाशी के परिणामस्वरूप 34.20 लाख (लगभग) रुपए नकद राशि बरामद हुई। इसके अलावा महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों के साथ, जिसमें सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, तीन हार्ड डिस्क, 10 पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड, ईमेल खाते और कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता और विविधता के महत्व पर जोर देते हुए गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया है। मोदी ने परेड में शामिल होने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), एनएसएस स्वयंसेवकों, आदिवासी अतिथियों और झांकी कलाकारों से शुक्रवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर बातचीत की। इस दौरान समृद्ध संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने वाले जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

प्रधानमंत्री ने अतीत से हटकर प्रतिभागियों के साथ नये तरीके से बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता तथा विविधता के महत्व पर जोर दिया और सभी प्रतिभागियों से एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत समझ और एकता को बढ़ावा देती है, जो देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

मोदी ने जोर देकर कहा कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में कर्तव्यों का पालन करना विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने सभी से सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत करने के लिए एकजुट और प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अनुशासन, समय की पाबंदी और सुबह जल्दी उठने जैसी अच्छी आदतों को अपनाने के महत्व के बारे में भी बात की और डायरी लिखने को प्रोत्साहित किया।

बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने सरकार की कुछ प्रमुख पहलों पर चर्चा की जो लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने के उद्देश्य से पहल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एक प्रतिभागी ने अपनी माँ की कहानी साझा की, जो इस योजना से लाभान्वित हुई और अपने उत्पादों को निर्यात करने में सक्षम हुई। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि कैसे भारत की सस्ती डेटा दरों ने कनेक्टिविटी को बदल दिया है और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा दिया है, जिससे लोगों को जुड़े रहने और अवसरों को बढ़ाने में मदद मिली है।

आठ नक्सली समेत 14 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने 36 लाख रुपए के इनामी आठ नक्सलियों समेत 14 माओवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र के नड़पल्ली और मल्लेमपेंटा गांव के जंगलों से सुरक्षाबलों ने 14 माओवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से आठ के सिर पर कुल 36 लाख रुपए का इनाम है। उन्होंने बताया कि बीजापुर में माओवादी विरोधी अभियान के तहत जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त दल को गश्त में टेकमेटला, नड़पल्ली और मल्लेमपेंटा गांव की ओर रवाना किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान के दौरान मल्लेमपेंटा और नड़पल्ली के जंगल से पांच महिला नक्सली समेत 14 माओवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार माओवादियों में से कमली कोड़ेम उर्फ कोदूम (28), चैते सोढ़ी उर्फ रीलो (26), जोगी सोढ़ी उर्फ टोक्कू (24) और राजे सोढ़ी उर्फ बोडडो (33) के सिर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था। गिरफ्तार माओवादी देवा मड़कम उर्फ बोटी (40), कोसा माड़वी (39), लिंगा कुहरामी उर्फ गेल्ले लिंगा (25) और हुंगा कुंजाम (25) के सिर पर एक-एक लाख का इनाम घोषित था।

पूजा-अर्चना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर मंदिर के दर्शन किए। राज्य के एक दिवसीय दौरे पर आए शाह ने 12 ज्योतिर्लिंग में से एक त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर प्रशासन ने उनका अभिनंदन किया। यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राज्य के मंत्री माणिकराव कोकाटे व गिरीश महाजन भी थे।

मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए आंदोलन तेज करेंगे : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें हिंदू मंदिरों को उन्हें वापस करें और इसके लिए विजयवाड़ा में ढाई लाख लोगों के साथ आंदोलन शुरू हो गया है, जिसे गति दी जाएगी।

महाकुंभनगर में विहिप की ओर से आयोजित विराट संत सम्मेलन के बाद पत्रकारों से मुखातिब कुमार ने कहा, आने वाले दिनों में हम मंदिरों को मुक्त कराने के लिए आंदोलन तेज करेंगे। सरकारें मंदिरों का धन कानूनी या गैर-कानूनी तरीके से अपने खाते में डाल रही हैं, जो बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा, संत सम्मेलन में इस बात पर भी चर्चा हुई कि वक्फ अधिनियम केवल एक ही धर्म के लिए क्यों है। हिंदू मंदिरों में दान देते हैं, सिख गुरुद्वारे में दान देते हैं और ईसाई गिरिजाघरों में दान देते हैं, तो क्या सभी धर्मों के दान के लिए एक कानून नहीं होना चाहिए। कुमार ने कहा कि हालांकि, सभी धर्मों के लिए कानून जब आएगा तब आएगा, मौजूदा समय में हम वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का समर्थन करते हैं।

जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने पत्रकारों से कहा, संत सम्मेल में बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर संत महात्मा बहुत उद्वेलित दिखे। मानवाधिकार आयोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर मौन हो जाता है। उन्होंने कहा, संतों ने राज्य सरकारों द्वारा हिंदुओं के मठ-मंदिरों के अधिग्रहण पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने मांग की कि हिंदू मठ-मंदिरों को अविलंब सरकार के नियंत्रण से मुक्त किया जाए।

वक्फ विधेयक संबंधी संसदीय समिति की बैठक में हंगामा, 10 विपक्षी सदस्य निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **समिति के अध्यक्ष पाल ने तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पाल ने कहा कि उन्होंने बैठक को व्यवस्थित करने का प्रयास किया, इसे दो बार स्थगित किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।**

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में शामिल 10 विपक्षी सदस्यों को अध्यक्ष जगदंबिका पाल के खिलाफ विरोध जताने तथा प्रक्रियाओं को लेकर मनमानी करने का आरोप लगाए जाने के बाद शुक्रवार को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

विपक्षी सदस्यों ने पाल पर कार्यवाही को एक तमाशा बनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह सरकार के निर्देशों पर काम कर रहे थे। पाल ने बैठक को बाधित करने के उद्देश्य से उनके आचरण की आलोचना की।

समिति के अध्यक्ष पाल ने तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पाल ने कहा कि उन्होंने बैठक को व्यवस्थित करने का प्रयास किया, इसे दो बार स्थगित किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया।

निलंबित सदस्यों में बनर्जी और नदीम-उल हक (तृणमूल कांग्रेस), मोहम्मद जावेद, इमरान मसूद और सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), ए राजा और मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम), मोहिबुल्लाह (सपा) और अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी) शामिल हैं।

विपक्षी सदस्यों का निलंबन उस दिन हुआ जब मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर का एक प्रतिनिधिमंडल वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त समिति के समक्ष मसौदा कानून के बारे में अपनी चिंताओं को साझा करने के लिए उपस्थित हुआ।

समिति की बैठक हंगामेदार ढंग से शुरू हुई और विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष पर कार्यवाही में बाधा डालने और मनमानी से बैठक का एजेंडा बदलने का आरोप लगाया।

इस वर्ष मानवयुक्त 'अंडरवाटर सबमर्सिबल' को लॉन्च करेगा भारत : जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। भारत अपने 'डीप ओशन मिशन' के तहत समुद्र में 500 मीटर की गहराई पर अपने पहले मानवयुक्त 'अंडरवाटर सबमर्सिबल' का संचालन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

'अंडरवाटर सबमर्सिबल' गहरे समुद्र में चलने वाला मानवयुक्त वाहन होता है। इसे एक बड़े जलयान या मंच द्वारा परिवहन और समर्थन की आवश्यकता होती है। वहीं पनडुब्बी की क्षमता अधिक होती है और यह समुद्र में लंबे समय तक रहकर स्वतंत्र संचालन में सक्षम होता है। सिंह ने यह टिप्पणी मिशन संचालन समिति की बैठक में की। बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद और पृथ्वी विज्ञान सचिव एम. रविचंद्रन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सिंह ने कहा कि इस साल यह 'सबमर्सिबल' 500 मीटर की गहराई तक काम करेगा और अगले साल तक 6,000 मीटर की गहराई तक पहुंचने का लक्ष्य है।

केंद्रीय मंत्री ने लड़कियों की शिक्षा व सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता दिखाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा व सशक्तीकरण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता दिखाने का आह्वान किया। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रीय बालिका दिवस पर मैं सभी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी अनंत शुभकामनाएं देती हूं। आइए आज हम अपनी बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लें।

एक अन्य पोस्ट में मंत्री ने सामाजिक समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बालिका देवो भव: राष्ट्रीय बालिका दिवस के इस अवसर पर, आइए हम हर बालिका को उसके सपने पूरे करने का अवसर प्रदान करने और ऐसा माहौल बनाने का संकल्प लें, जहां वे स्वतंत्र, सशक्त व सम्मानित महसूस करें। देशभर में हर साल 24 जनवरी को बालिका दिवस मनाया जाता है।

पतंजलि फूड्स ने चार टन लाल मिर्च पाउडर वापस मंगाया, ग्राहकों के पैसे होंगे वापस

नई दिल्ली/भाषा। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने खाद्य नियामक एफएसएसएआई के निर्देश के बाद बाजार से चार टन लाल मिर्च पाउडर वापस मंगाया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पतंजलि फूड्स को खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुरूप न होने के कारण पैक किए गए लाल मिर्च पाउडर की एक विशिष्ट खेप को वापस लेने का निर्देश दिया है।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव अस्थाना ने बयान में कहा, पतंजलि फूड्स ने चार टन लाल मिर्च पाउडर (200 ग्राम पैक) के बैच को वापस मंगाया है। उन्होंने कहा, उत्पाद के नमूनों की जांच करने पर पाया गया कि उनमें कीटनाशकों के अवशेष की अधिकतम स्वीकार्य सीमा की पुष्टि नहीं हुई। एफएसएसएआई ने लाल मिर्च पाउडर सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए कीटनाशकों के अवशेष की अधिकतम सीमा (एमआरएल) निर्धारित की है। अस्थाना ने कहा कि विनिर्दिष्ट नियामक मानदंडों के अनुरूप कंपनी ने अपने वितरण साझेदारों को सूचित करने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। उत्पाद खरीदने वाले उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए विज्ञापन भी जारी किए हैं। उन्होंने ग्राहकों से आग्रह किया कि वे उत्पाद को जहां से खरीदा है वहां लौटाएं और पूरा पैसा वापसी का दावा करें।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.88 अरब डॉलर घटकर 533.13 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 10.63 लाख डॉलर बढ़कर 68.95 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10 लाख डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.12 अरब डॉलर रहा।

उपराज्यपाल और केंद्र से टकराव के कारण

'आप' सरकार से तंग आ चुकी दिल्ली की जनता : कपिल मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में करावल नगर सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की जनता उपराज्यपाल और केंद्र सरकार से बार-बार उलझने वाली आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार से तंग आ चुकी है और भाजपा को एक विकल्प के रूप में देख रही है।

मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) शासन के मुद्दों पर विफल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पास मुख्यमंत्री पद का कोई उम्मीदवार नहीं है क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल पर पाबंदियां लगा रखी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी लोगों के चुनाव लड़ने से दिल्ली के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

पांच फरवरी को होने वाले चुनाव में करावल नगर विधानसभा क्षेत्र में मिश्रा का मुकाबला सत्तारूढ़ 'आप' के मनोज त्यागी और कांग्रेस के पीके मिश्रा से होगा। इस क्षेत्र में 2020 में सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। यहां 3.07 लाख से अधिक मतदाता हैं। मिश्रा ने कहा, दंगों के घाव अभी भी ताजा हैं और जो हुआ उसे हम नहीं भूलेंगे। आरोपियों को चुनाव मैदान में लाना हमारे घावों पर नमक छिड़कने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी दंगों के नाम पर वोट नहीं मांग रही। मिश्रा ने कहा, ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया गया है, जिससे दिल्ली के लोग आहत हैं। वे जानबूझकर हमारे जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं। दंगों में कथित संलिप्तता के लिए जेल में बंद पूर्व आप पार्षद हुसैन, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के टिकट पर मुस्तफाबाद सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

एआईएमआईएम ने शफा-उर-रहमान को ओखला से टिकट दिया है, जो दंगों से संबंधित मामले में जेल में हैं।

मिश्रा ने आरोप लगाया कि 'आप' और कांग्रेस दोनों ही केवल मुस्लिम मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उन्हें दिल्ली के बाकी निवासियों की कोई परवाह नहीं है।

अमरावती में राजधानी निर्माण के कार्य तीन साल में हो जायेंगे पूरे: आंध्र के मंत्री

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के नगरपालिका मंत्री पी नारायण ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी शहर अमरावती का निर्माण तीन वर्षों के भीतर पूरा हो जाएगा। नारायण ने ग्रीनफील्ड राजधानी क्षेत्र में स्थित नेलापाडु गांव में प्रशासनिक टावरों में जल 'पम्पिंग' कार्यों और उच्च न्यायालय भवन की नींव रखने के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने एक बयान में कहा, अभी तक हमने अमरावती में 40 निर्माण कार्यों के लिए निविदा हेतु बोलियां आमंत्रित की हैं और हम जनवरी के अंत तक उन सभी को पूरा कर लेंगे एवं फरवरी के दूसरे सप्ताह तक राजधानी निर्माण संबंधी काम शुरू कर देंगे। हम अमरावती का निर्माण तीन साल में पूरा कर लेंगे। नारायण ने आरोप लगाया कि वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने बदले की भावना से अमरावती में सभी निर्माण कार्यों को रद्द कर दिया था, जिसमें अधिकारियों, न्यायाधीशों व कर्मचारियों के लिए 4,053 अपार्टमेंट का निर्माण भी शामिल था।

जम्मू-कश्मीर के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व सुधार हुआ: उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगती (जम्मू)/भाषा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व सुधार हुआ है और उन्होंने इसका श्रेय सरकार के प्रयासों व नीतिगत हस्तक्षेपों को दिया, जिसने केंद्र शासित प्रदेश को एक जीवंत 'स्टार्टअप हब' में बदल दिया। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, खुद को समर्पित करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने का आग्रह किया ताकि जम्मू-कश्मीर के विकास को नई ऊंचाई प्रदान की जा सके।

सिन्हा ने यहां भारतीय प्रबंधन संस्थान में 'ब्रिक्स यूथ काउंसिल एंटरप्रेन्योरशिप रन-अप इवेंट' का उद्घाटन करने के बाद कहा, पिछले कुछ वर्षों में, जम्मू-कश्मीर के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में अभूतपूर्व उछाल आया है, जिससे नवाचार, अनुसंधान, विकास और वैज्ञानिक प्रगति की संस्कृति को बढ़ावा मिला है। मैं युवाओं को देश के शीर्ष उद्यमियों में शामिल देखना चाहता हूं, जो इसके विकास में योगदान दे रहे हैं। दिन भर जारी रहने वाला यह कार्यक्रम नवोन्मेषकों, महत्वाकांक्षी उद्यमियों और युवाओं को नवोन्मेषी व्यावसायिक विचारों व उद्यमशीलता संबंधी उपायों को प्रदर्शित करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है। सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। हमारे ईमानदार प्रयासों और नीतिगत हस्तक्षेपों ने जम्मू-कश्मीर को जीवंत 'स्टार्टअप हब' बना दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के माध्यम से सरकार द्वारा की गई विभिन्न परिवर्तनकारी पहलों ने नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पुनः परिभाषित किया तथा केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाया है।

सोना 83,000 रुपए के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार, चांदी भी मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं के कारण जोरदार लिवाली होने के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में लगातार आठवें सत्र में तेजी जारी रही और यह 200 रुपए चढ़कर पहली बार 83,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपए बढ़कर 83,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को यह 82,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंस मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, सोने में बढ़त शुक्रवार को भी जारी रही और घरेलू बाजार में हाजिर सोना नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गांधी ने कहा कि सोने में मौजूदा तेजी अमेरिका में संभावित शुल्क (टैरिफ) योजना और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अन्य नीतियों से उपजी अनिश्चितता का नतीजा है। मौजूदा हालात में सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदारी में उछाल आया है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 200 रुपए बढ़कर 82,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 82,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा, शुक्रवार को चांदी भी 500 रुपए बढ़कर 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 15.50 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2,780.50 डॉलर प्रति औंस हो गया।

कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष (जिंस शोध) कायनात चैनवाला ने कहा कि निवेशक प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधि के शुरुआती संकेतों के लिए पीएमआई आंकड़ों पर नजर रख सकते हैं। अर्थव्यवस्था के बारे में आगे की जानकारी के लिए अमेरिका में जारी होने वाले आवास आंकड़े पर भी नजरें रहेंगी।

एशियाई कारोबार में कॉमेक्स चांदी वायदा भी 1.53 प्रतिशत बढ़कर 31.32 डॉलर प्रति औंस हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण विभाग के उपाध्यक्ष (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि निवेशकों की निगाह आगामी केंद्रीय बजट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय पर भी रहेगी। ये सर्राफा कीमतों के लिए भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रमुख घटनाक्रम हैं।

मप्र : मंत्रिमंडल ने धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण 17 शहरों में शराब की दुकानें बंद करने का फैसला किया

खरगोन (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण 17 शहरों में शराब की दुकानें बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि खरगोन जिले के महेश्वर में मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इन 17 शहरों में एक नगर निगम, छह नगर पालिकाएं, छह नगर परिषद और छह ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, राज्य में शराब की लत को खत्म करने के लिए पहले कदम के तौर पर 17 पवित्र शहरों में शराब की दुकानें बंद की जाएंगी। ये दुकानें किसी अन्य जगह पर स्थानांतरित नहीं की जाएंगी। उज्जैन नगर निगम की सीमा में शराब की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी। यादव ने कहा कि जिन क्षेत्रों में शराब की दुकानें बंद की जाएंगी वे दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर और मैहर नगर पालिकाओं के साथ-साथ ओंकारेश्वर, महेश्वर, मंडलेश्वर, ओरछा, चित्रकूट और अमरकंटक नगर परिषदों का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन छह ग्राम पंचायतों में सलकनपुर, बरमान कला, लिंगा, कुंडलपुर, बांदकपुर और बरमान खुर्द शामिल हैं। यादव ने बताया कि नर्मदा नदी के पांच किलोमीटर के दायरे में शराब पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

आपका वोट है अमूल्य, उसे महज 1100 रु. के लिए मत बेचिये : केजरीवाल ने चुनाव से पहले की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को मतदाताओं से पैसों और उपहारों के जरिये उनके वोट हासिल करने की कथित रूप से की जा रही कोशिश से बचकर रहने की अपील की। उन्होंने भाजपा पर चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सोने की चेन, साड़ियां, जूते एवं नकदी बांटने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में लोगों से कहा, ''यह आपका पैसा है; पैसे ले लीजिए। लेकिन अपना वोट 1,100 रुपए या एक साड़ी के लिए मत बेचिए। आपका वोट अमूल्य है। उन्होंने उनसे इन चीजों के बजाय लोकतंत्र को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। उन्होंने मतदाताओं को उनके वास्ते वोट का अधिकार हासिल करने के लिए बी आर अंबेडकर के संघर्ष की याद दिलाई।

आप संयोजक ने कहा, अगर हमारे वोट खरीदे जा सके, तो हमारा लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। केवल अमीरों का शासन होगा। किसी को भी वोट दें, लेकिन पैसे बांटने वालों को नहीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सत्तारूढ़ आप सत्ता बरकरार रखने को लेकर जद्दोजहद कर रही है। वर्ष 2013 में आप दिल्ली में 49 दिन के लिए सत्ता में रही। इसके बाद वर्ष 2015 में विधानसभा चुनाव हुए जिसमें आप ने प्रचंड जीत हासिल की और तब से वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज है। वहीं, भाजपा 25 साल बाद वापसी की कोशिश में जुटी है। केजरीवाल ने मतदाताओं को डराने-धमकाने की चिंता भी सामने रखी और लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके वोट गोपनीय रहेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

वाईएसआरसीपी नेता विजयसाई रेड्डी राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, राजनीति छोड़ेंगे

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के राज्यसभा सदस्य वी विजयसाई रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि वह 25 जनवरी को संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। रेड्डी ने एक पोस्ट में कहा कि वह किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं होंगे और राजनीति भी छोड़ देंगे। उन्होंने पोस्ट में कहा, मैं राजनीति छोड़ रहा हूं। मैं कल (25 जनवरी) राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं होऊंगा। मैं किसी पद, लाभ या धन की उम्मीद में इस्तीफा नहीं दे रहा हूं। मेरा यह फैसला पूरी तरह निजी है। मुझ पर कोई दबाव नहीं है। किसी ने मुझे प्रलोभन नहीं दिया है।

वर्तमान में आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी से राज्यसभा सदस्य के रूप में रेड्डी का यह दूसरा कार्यकाल है। वह राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक हैं।

पुणे में अजित के साथ बैठक में पार्टी से संबंधित किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को पुणे में अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ बंद कमरे में हुई बैठक को ज्यादा तवज्जो नहीं देने का प्रयास किया और कहा कि दोनों पार्टियों से संबंधित किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई।

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कोल्हापुर शहर में पत्रकारों से बात करते हुए इस बात पर जोर दिया कि बैठक में चर्चा पूरी तरह से चीनी उद्योग परियोजना पर केंद्रित थी।

यह पूछे जाने पर कि उनके और अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के प्रतिद्वंद्वी गुटों के एक साथ आने की संभावना क्या है, और क्या बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई, वरिष्ठ राजनेता ने कहा कि पार्टी से संबंधित किसी भी मामले पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा, बैठक में अजित पवार, मैं और (चीनी उद्योग) परियोजना से जुड़े लोग मौजूद थे। दोनों राजनीतिक नेता वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) की वार्षिक आम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए पुणे में थे, जिसके अध्यक्ष शरद पवार हैं।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार पुणे स्थित वीएसआई के सदस्य हैं, जो चीनी उद्योग से जुड़ा एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है और वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में जुलाई 2023 में हुए विभाजन के बाद पहली बार इसकी वार्षिक आम सभा (एजीएम) की बैठक में शामिल हुए। एजीएम के दौरान अजित पवार अपने चाचा से दूर बैठे, जो विपक्षी राकांपा (एसपी) के प्रमुख हैं। शुरुआती व्यवस्था के अनुसार दोनों को एक-दूसरे के बगल में बैठना था। सत्तारूढ़ राकांपा का नेतृत्व करने वाले उप-मुख्यमंत्री ने अपनी नाम पट्टिका को एक कुर्सी दूर कर दिया, जिससे महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल उनके बीच बैठ गए।

लेम्बोर्गिनी ने 2024 में भारत में रिकॉर्ड 113 गाड़ियां बेचीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इटली की वाहन विनिर्माता लेम्बोर्गिनी ने भारत में 2024 में रिकॉर्ड 113 वाहन बेचे। 'लग्जरी' वाहन बनाने वाली कंपनी ने शुक्रवार को बताया, उसकी बिक्री 2024 में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 113 इकाई हो गई, जो भारत में कंपनी का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ बिक्री प्रदर्शन है।

कार विनिर्माता ने वैश्विक स्तर पर 2024 में सालाना आधार पर 6% अधिक कुल 10,687 वाहन बेचे। कंपपी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टीफन विंकलमैन ने कहा, 2024 में लेम्बोर्गिनी की निरंतर वृद्धि जारी रही और यह पिछले कई वर्षों की सकारात्मक प्रवृत्ति के अनुरूप रहा। यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों के साथ हमारे बढ़ते मजबूत रिश्ते और नई पीढ़ी की हमारे ब्रांड में बढ़ती रुचि को दर्शाती है। कंपनी ने पिछले साल प्रमुख बाजारों में वृद्धि दर्ज की। इसने ईएमईए (यूरोप, पश्चिम-एशिया और अफ्रीका) में 4,227 वाहन, अमेरिका में 3,712 वाहन और एपीएसी (एशिया-प्रशांत) क्षेत्र में 2,748 वाहन बेचे।

न्यायालय ने टीडीएस प्रणाली खत्म करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आयकर अधिनियम के तहत आय के स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) ढांचे को खत्म करने का अनुरोध करते हुए दायर की गई जनहित याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया और कहा कि दुनिया में यह ''हर जगह'' लगाया गया है।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि टीडीएस दुनिया में लगभग हर जगह लगाया गया है और इसके समर्थन में (अदालती) फैसले भी हैं। याचिका में आयकर अधिनियम के तहत आने वाले टीडीएस ढांचे को चुनौती दी गई है, जो भुगतानकर्ता द्वारा भुगतान के समय कर की कटौती करने और उसे आयकर विभाग के पास जमा करने का प्रावधान करता है। कटौती की गई राशि को करदाता की कर देयता में समायोजित किया जाता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, माफ कीजिए, हम इस पर विचार नहीं करेंगे...यह (याचिका) बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई है। हालांकि, आप दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने अधिवक्ता अश्विनी दुबे के मार्फत से यह याचिका दायर की थी। उपाध्याय ने दलील दी कि टीडीएस प्रणाली को रद्द करने की जरूरत है। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इसमें आयकर नियमों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हो सकते हैं और इसे दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर किया जा सकता है। पीठ ने अपने आदेश में, मामले के तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की और इस पर निर्णय करना, याचिका दायर किए जाने की स्थिति में उच्च न्यायालय पर छोड़ दिया।

याचिका में टीडीएस प्रणाली को ''मनमाना और अतार्किक'' बताते हुए इसे समाप्त करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया था तथा इसे समानता सहित विभिन्न मौलिक अधिकारों का हनन बताया गया। साथ ही, याचिका में केंद्र, विधि एवं न्याय मंत्रालय, विधि आयोग और नीति आयोग को पक्षकार बनाया गया था।

ओला ने 'मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम' के आधार पर अलग किराये से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन कैब बुकिंग की सेवाएं देने वाली कंपनी ओला ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह एकसमान मूल्य निर्धारण संरचना का पालन करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि एक समान यात्रियों के लिए उपयोगकर्ताओं के 'मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम' (एंड्रॉयड और आईओएस) के आधार पर मूल्य निर्धारण में अंतर नहीं किया जाता है। ओला के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) को इस बारे में बता दिया है।

सीसीपीए ने इस संबंध में कंपनी को नोटिस जारी किया था। प्रवक्ता ने कहा, हमारे पास अपने सभी ग्राहकों के लिए एकसमान मूल्य निर्धारण संरचना है और हम एक जैसी सवारी के लिए उपयोगकर्ता के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर अंतर नहीं करते हैं। कंपनी ने कहा कि वह किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए सीसीपीए के साथ मिलकर काम करेगी।

राज्यपाल रवि के आक्षेप ने द्रमुक को और मजबूत किया है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के खिलाफ राज्यपाल आर. एन. रवि के आक्षेप ने राज्य में सत्तारूढ़ दल को और मजबूत किया है।

सीमन के नेतृत्व वाली नाम तमिलर काची (एनटीके) के कार्यकर्ताओं के द्रमुक में शामिल होने के अवसर पर स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एनटीके या इसके संस्थापक का नाम लिए बिना कहा कि उनकी पार्टी (द्रमुक) द्रविड़ विचारधारा की आलोचना से विचलित नहीं होगी। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी शासन के द्रविड़ मॉडल पर जोर देना जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, अफसोस की बात है कि राज्यपाल रवि अनावश्यक चीजें कर रहे हैं और धर्म को आधार बनाकर द्रविड़ विचारधारा पर सरकार के वैचारिक दृष्टिकोण के खिलाफ बोल रहे हैं, लेकिन इस तरह की बातों से द्रमुक को और मजबूती मिलेगी।

स्टालिन ने कहा, कुछ लोग राज्यपाल रवि को हटाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, क्या हमने कभी उस मांग पर कोई प्रस्ताव पारित किया है? विधानसभा में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है। उन्हें राज्यपाल बने रहना चाहिए और द्रमुक आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अगले साल भी राज्यपाल रवि को सदन को संबोधित करने के लिए विधानसभा में आना चाहिए और हम उन्हें संबोधन का मूल पाठ देंगे और उन्हें इसे पढ़े बिना चले जाना चाहिए और लोग यह देखेंगे।

स्टालिन ने यह भी कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से रवि को तमिलनाडु से बाहर न भेजने की अपील की है।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध करते हुए कहा, उन्हें (रवि को) राज्यपाल के रूप में यहीं रहने दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह, सीमन को द्रविड़ विचारधारा के खिलाफ अपना हमला जारी रखना चाहिए और लोग इसे स्पष्ट रूप से समझ जाएंगे और एनटीके का समर्थन नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि सीमन द्वारा की जा रही आलोचना से चिंतित होने की कोई वजह नहीं है और हम अपना काम करते रहें। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में एनटीके या सीमन का सीधे तौर उल्लेख नहीं किया।

भारत-पाक में शत्रुता का नियंत्रित स्तर दोनों देशों के सत्तारूढ़ कुलीन वर्ग के हित में है : शिवशंकर मेनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) शिवशंकर मेनन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सियासी रुख के चलते 'शत्रुता के एक नियंत्रित स्तर' की स्थिति है जो दोनों देशों के कुलीन वर्ग के हित में है। यहां बृहस्पतिवार को केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) के आठवें संस्करण में बोलते हुए मेनन ने पाकिस्तान को एक 'बिल्कुल नया देश' बताया जो अब भी अपनी राष्ट्रीय पहचान से जूझ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि फिजी या डेनमार्क जैसे देशों के विपरीत भारत की पाकिस्तान के प्रति एक सुसंगत विदेश नीति नहीं हो सकती, क्योंकि उनके संबंध भारत की घरेलू राजनीति से प्रभावित होते हैं।

उन्होंने कहा, शत्रुता का एक नियंत्रित स्तर है। आप शत्रुता चाहते हैं क्योंकि यह आपके राजनीतिक पदों को उचित ठहराता है और घर में आपके राजनीतिक हित को पूरा करता है। इसलिए आपने खुद को एक अजीब स्थिति में ला दिया है जो स्थिर है। उदाहरण के लिए, 2003 का युद्धविराम जिसे चार साल पहले दोबारा लागू किया गया, वह बरकरार है। मेनन ने 'भारत और विश्व: एशिया में भू-राजनीति' विषयक सत्र में कहा, नियंत्रण रेखा पर शांति है। इसलिए, यह एक अच्छा रिश्ता नहीं है लेकिन आप इस अजीब संतुलन को बनाए रखने में काफी खुश हैं। पाकिस्तान के जटिल पहचान संकट के बारे में अपने विचार साझा करते हुए 75 वर्षीय मेनन ने कहा कि यह देश अब भी राष्ट्रीय पहचान बनाने की प्रक्रिया में है। पाकिस्तान में भारतीय उच्चायुक्त के रूप में काम कर चुके मेनन ने एक किस्सा साझा किया जब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जिया उल-हक ने पाकिस्तान के इस्लामीकरण के लिए उनके तर्क के बारे में पूछने पर कहा कि एक मिस्रवासी इस्लाम छोड़ दे तो भी वह मिस्र का समझा जाएगा, लेकिन इस्लाम छोड़ने वाले पाकिस्तानी को भारतीय समझे जाने का जोखिम होगा। उन्होंने पाकिस्तान की कई पहचानों के बारे में भी बात की, जिनमें उसकी सेना, जिहादी गुटों और नागरिक समाज द्वारा गढ़ी गई पहचानें शामिल हैं। उन्होंने कहा, कई पाकिस्तान हैं, सेना का पाकिस्तान है, जिहादी ताकतों का पाकिस्तान है और हमें उनसे असली समस्या है, क्योंकि भारत के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों में उनका संस्थागत हित है। लेकिन पाकिस्तानी राजनेता, नागरिक राजनेता, वहां जाएंगे जहां उनका फायदा उन्हें ले जाएगा।

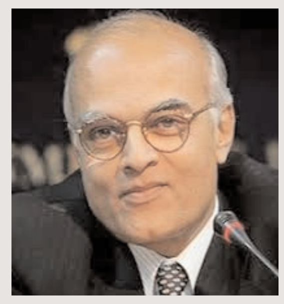

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक समाज की भारत के प्रति कोई शत्रुता नहीं है। भारत-पाकिस्तान संबंधों से हटकर व्यापक वैश्विक व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए मेनन ने यह कहकर कुछ लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया कि उन्हें विश्वास नहीं है कि हम 'बहुध्रुवीय दुनिया' में रह रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस धारणा को अक्सर सरकारों द्वारा प्रचारित किया जाता है जो अपने देशों को भविष्य की संभावित सत्ता के ध्रुवों के रूप में स्थापित करके खुद की पीठ थपथपाते हैं। मेनन ने बताया कि केवल अमेरिका ही विश्व स्तर पर, जब भी और जहां भी चाहे, अपनी सैन्य शक्ति प्रदर्शित करने की क्षमता रखता है, जो सही मायने में दुनिया में उसके सैन्य आधिपत्य को स्थापित करता है। 10 साल बाद का कोई नहीं जानता, लेकिन आज का विश्व सैन्य लिहाज से एकध्रुवीय है। चार दिवसीय साहित्यिक उत्सव 26 जनवरी को समाप्त होने वाला है और इसमें छह लाख से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है।

केरल: जेल में केश काटे जाने से परेशान यूट्यूबर को मानसिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में हत्या के प्रयास के एक मामले में गिरफ्तार यूट्यूबर को मानसिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ा क्योंकि जेल में उसके केश काटे जाने के बाद वह मानसिक तौर पर परेशान हो गया था। जेल अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 26 वर्षीय मोहम्मद शाहीन शाह को कॉलेज के छात्रों को कार से कुचलने के कथित प्रयास के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जेल के नियमों के तहत उसके केश काटे गये थे।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद वह मानसिक रूप से परेशान नजर आया जिसके बाद उसे त्रिशूर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में है।

त्रिशूर पुलिस ने उसे मंगलवार को कर्नाटक के कोडागु से गिरफ्तार किया था, जहां वह छिपा हुआ था। वह 19 अप्रैल, 2024 को हुई इस घटना के बाद से फरार था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एक स्थानीय अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में त्रिशूर जिला जेल भेजा था।

केरल में दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित मरीजों के उपचार के लिए सुविधा केंद्र स्थापित होगा

तिरुवनंतपुरम। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित रोगियों के लिए एक सुविधा केंद्र इस वर्ष तैयार हो जाएगा। जॉर्ज ने दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित रोगियों का उपचार करने वाले विशेषज्ञों के लिए यहां आयोजित एक कार्यशाला का उद्घाटन किया और कहा कि दुर्लभ रोगों की रोकथाम करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए इस वर्ष कोझिकोड में एक क्लीनिक की स्थापना की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार प्रभावित बच्चों को बीमारी से मुक्त कर उन्हें स्वस्थ्य बनाने के प्रयास कर रही है। जॉर्ज ने कहा, राज्य में दुर्लभ बीमारियों के रोगियों के लिए एक केंद्र (रजिस्ट्री) इस वर्ष स्थापित हो जाएगा। उनके अनुसार, 'स्पाइनल मस्कुलर अट्रोफी' (एसएमए) बीमारी का उपचार करवा रहे बच्चों के जीवित बचने की दर 90 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य जन्मजात दिव्यांगों की पहचान करना और बच्चों के लिए विशेष उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि केरल सरकार ने फरवरी 2024 में दुर्लभ रोगों के लिए 'केयर' योजना शुरू की और एसएटी अस्पताल में 2024 में दुर्लभ रोगों के लिए 'एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी' की शुरूआत हुई।

जॉर्ज ने कहा, फिलहाल 106 मरीज महंगा उपचार प्राप्त कर रहे हैं। शालभम परियोजना के माध्यम से बच्चों में जन्मजात दिव्यांगता की पहचान की जाती है और उसका उपचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि जन्मजात हृदय रोगों का पता लगाने और उनके इलाज पर केंद्रित हृदयम परियोजना के तहत 7,916 बच्चों के हृदय की सर्जरी की गयी है। एसएटी अस्पताल को दुर्लभ बीमारियों के लिए उत्कृष्ट केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

केरल के सबसे कम शिशु मृत्यु दर वाला राज्य होने का जिक्र करते हुए जॉर्ज ने कहा कि महिला शिक्षा में प्रगति, सार्वजनिक स्वास्थ्य विकास, स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिबद्धता और पुनर्जागरण आंदोलन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति को संभव बनाया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह एक दिवसीय कार्यशाला केरल के जिला चिकित्सा अधिकारियों, जिला कार्यक्रम प्रबंधकों, बाल रोग विशेषज्ञों और मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के लिए आयोजित की गई थी।

वायनाड में बाघ ने महिला को मार डाला, लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। जिले के मनंतावडी गांव के प्रियदर्शिनी एस्टेट में शुक्रवार की सुबह, बाघ के हमले में 47 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई जिसके बाद क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। केरल के वन मंत्री ए के ससीन्द्रन द्वारा विधानसभा में दावा किए जाने के अगले दिन यह घटना हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य में मानव-पशु संघर्ष में कमी आ रही है और सरकार इस पर प्रभावी कार्रवाई कर रही है।

इस घटना के बाद, वन मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बाघ को पकड़ने और मारने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ससीन्द्रन ने यह भी कहा कि घटना के परिणामस्वरूप, लोग विरोध कर रहे थे और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओ आर केलू प्रदर्शनकारियों से बात करने के लिए मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन ने बताया कि सुबह जब महिला कॉफी तोड़ने गई थी, तभी बाघ ने हमला कर उसे मार डाला।

ससीन्द्रन ने बताया, कि पुलिस की नियमित गश्त के दौरान वन अधिकारियों को महिला का शव मिला। टीवी चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार, स्थानीय लोगों ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने की अनुमति न देकर मंत्री केलू के समक्ष अपना विरोध जताया। एस्टेट की कई महिला श्रमिकों ने केलू से कहा कि बाघ को पकड़ लिया जाना चाहिए या मार दिया जाना चाहिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि बाघ को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा, कि क्षेत्र में बाड़ लगाने की परियोजना के बावजूद उस पर कुछ भी अमल नहीं किया गया है। मंत्री ने आगे कहा कि, क्षेत्र के लोगों के लिए अधिकतम संभावित सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरआरटी (रैपिड रिस्पांस टीम) इकाइयों की तैनाती सहित कदम उठाए जाएंगे।

शमी ने चेन्नई में नेट्स पर जमकर पसीना बहाया, खेलने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शुक्रवार को यहां भारतीय टीम के नेट सत्र के दौरान लगभग एक घंटे तक जमकर पसीना बहाया लेकिन शीर्ष स्तर की क्रिकेट में उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई। भारत के लिए पिछली बार 2023 विश्व कप फाइनल में खेलने वाले शमी ने चेपॉक में गेंदबाजी की लय हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन कभी अपने शीर्ष स्तर पर नहीं दिखे जिसमें बल्लेबाजों को उनका सामना करने में काफी परेशानी होती थी। शमी को बुधवार को कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय के दौरान अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की उम्मीद थी लेकिन प्रबंधन ने उनकी वापसी को टालने का फैसला किया।

ईडन गार्डन्स की तरह ही शमी यहां भी नेट सत्र के दौरान सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ हल्के जॉगिंग सत्र से शुरुआत की। इसके बाद इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ने मद्रास क्रिकेट क्लब स्टैंड के करीब गेंदबाजी नेट पर जाने से पहले क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप के साथ कुछ मिनटों के लिए थ्रोइंग ड्रिल में हिस्सा लिया। शमी के दोनों पैरों में भारी पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने छोटे रन-अप के साथ शुरुआत की और फिर ठीक-ठाक गति से गेंदबाजी की। छोटे रन-अप के साथ कुछ गेंदें फेंकने के बाद शमी पूरे रन-अप के साथ गेंदबाजी करने लगे लेकिन उनके रवैये और गेंदबाज फेंकने में पूरी सहजता की कमी थी। उनकी गेंद कुछ मौकों पर स्टंप के निचले हिस्से पर लगी जबकि इस दौरान गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल विकेटकीपर की भूमिका निभाते हुए उन्हें करीब से देख रहे थे। शमी के साथ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी नेट्स पर गेंदबाजी की लेकिन पंजाब का यह खिलाड़ी तेज और सटीक था।

बंगाल के तेज गेंदबाज शमी ने इसके बाद मोर्कल और मुख्य कोच गौतम गंभीर से बात करने के लिए कुछ मिनट का ब्रेक लिय। इसके बाद शमी गेंदबाजी शुरू करने के लिए नेट्स पर लौट आए। धीरे-धीरे उनकी लय में सुधार हुआ लेकिन वह अपने पुराने रंग में नहीं दिखे। यह काफी हैरान करने वाला है क्योंकि शमी को रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। लेकिन यहां वह अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे और शुरुआत में उन्होंने अपने किसी भी साथी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की जो एमएसी 'बी' मैदान पर ट्रेनिंग के लिए बाहर गए थे। शमी ने इसके बाद नितीश कुमार रेड्डी को कुछ गेंद फेंकी जो हार्दिक पंड्या के साथ मुख्य मैदान पर लौट आए। उन्होंने इसके बाद क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल में हिस्सा लिया।

गणतंत्र दिवस समारोह पर 103 सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, सुरक्षा में 1100 पुलिसकर्मी तैनात

बेंगलूरु। सरकार द्वारा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पैलेस रोड स्थित मानकशाह परेड़ ग्राउंड पर ध्वजारोहण का आयोजन किया गया है। गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लिए शुक्रवार को पुलिस कमिशनर बी. दयानंद, बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ व बेंगलूरु के डीसी जगदीश ने एक संयुक्त पत्रकार वार्ता की तथा तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर परेड़ ग्राउंड के आसपास रविवार को मध्याह्न तक पुलिस की 24 घंटे विशेष निगरानी रहेगी तथा गस्त लगाई गई है। पुलिस शहर व आसपास के क्षेत्र के प्रमुख होटल, रिसोर्ट व लॉजों पर विशेष निगरानी रख रही है। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मौके पर सुबह 9 बजे राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ध्वजारोहण, परेड सलामी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह में सुरक्षा के लिए 1100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है जिसमें 8 डीसीपी, 17 एसीपी, 44 इन्सपेक्टर, 80 महिला पुलिसकर्मी, सादा ड्रेस में 149 पुलिसकर्मी शामिल है। परेड ग्राउंड पर कर्नाटक रिजर्व पुलिस फोस व बेंगलूरु सिटी आर्मड रिजर्व पुलिस की कुल 10 यूनिट उपस्थित होगी। इसके अलावा 2 अग्निशमक वाहन, 2 एम्बुलेन्स, रेपिड़ एक्शन फोर्स गरुड़ा दल उपस्थित होंगे। इस गणतंत्र दिवस समारोह पर 103 सीसीटीवी कैमरों से विशेष निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि परेड ग्राउंड के गेट नम्बर 1 से वीवीआईपी, गेट 2 से वीआईपी, गेट 3 से यलो पास धारक, गेट 4 से सफेद पासधारक व गेट 5 से ग्रीन पास के साथ आम जनता कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस गणतंत्र दिवस समारोह में काले कपड़े पहनकर जाना वर्जित है।

केरल

कुएं में गिरे हाथी को बाहर निकालकर जंगल में छोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम (केरल)। केरल के मलप्पुरम जिले के उरंगत्तिरी गांव में बृहस्पतिवार को सात मीटर गहरे निजी कुएं में गिरे एक हाथी को 18 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाल कर पास के जंगल में छोड़ दिया गया। एक वन अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

वन विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि बचाव अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने हाथी को जंगल में छोड़ने का विरोध किया। उन्होंने मांग की कि हाथी को बेहोश कर किसी सघन जंगल में स्थानांतरित किया जाए। वन अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि इलाके में कुंकी हाथियों (जंगली हाथियों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित हाथी) को तैनात किया जाएगा ताकि यह हाथी वापस रिहायशी इलाके में न आए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि दो कुंकी हाथियों को क्षेत्र में गश्त और हाथी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है। साथ ही पुलिस और वन विभाग के कर्मी भी तैनात किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि लंबे समय तक कुएं में बिना भोजन के फंसे रहने के बाद हाथी को थोड़ी कमजोरी महसूस हो रही थी, लेकिन वह स्वस्थ है। जरूरत पड़ने पर उसे बेहोश कर पकड़ने के लिए मुख्य वन्यजीव वार्डन से अनुमति भी मिल गई है।

उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान कुएं के मालिक की संपत्ति को हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने का आश्वासन भी दिया गया है।

कुएं के मालिक और अन्य स्थानीय निवासियों ने हाथी को उसी क्षेत्र में छोड़ने का विरोध किया था। लोगों का कहना था कि हाथी बार-बार फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए आ जाता था। वन अधिकारियों ने बृहस्पतिवार देर शाम स्थानीय लोगों को यह भरोसा दिलाया कि हाथी के हमले और फसलों को नुकसान से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दिलावर ने किया जलाशय संरक्षण अभियान का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को जयपुर जिले के जोबनेर के जोरपुरा गांव में तालाब जलाशय संरक्षण महाअभियान का शुभारंभ किया। दिलावर ने जोबनेर बाईपास पर स्थित जोरपूरा में जल पुनर्भरण एवं संवर्धन परियोजना कोरिया नाडा तालाब, माच्छरखानी के जोरपूरा जोहड़ परियोजना का शिलान्यास किया। काम पूरा होने के बाद इस तलाब की भराव क्षमता 46 लाख 22 हजार 310 लीटर होगी।

इस अवसर पर दिलावर ने तालाब निर्माण कार्य का जल पूजन एवं नंदी पूजन कर शुभारंभ किया तथा पांच नीम, पीपल और बरगद के पौधे भी लगाए। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि मानव शरीर 70 प्रतिशत पानी से बना है। यानी अगर पानी नहीं होगा तो हम प्यासे और भूखे मर जाएंगे। इसलिए पानी का संरक्षण बहुत जरूरी है। हमारे पुरखे बहुत विद्वान थे। उन्होंने तालाब , कुएं, बावड़ियों बनवाई।

उन्होंने कहा कि भूमि का जल स्तर भी बढ़ता था। हमारे पूर्वज पानी को जल देवता कहते थे लेकिन आज हम पानी की अहमियत नहीं समझ रहे। तालाबों पर अतिक्रमण कर मकान बना लिये। तालाबों को गंदगी डालने का स्थान बना दिया गया है। अभी भी समय है, जागो। तालाबों, कुएं, बावड़ियों को बचाओ। पशु, पक्षियों को भी पानी मिलेगा। इसलिए जलाशयों का संरक्षण करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। पानी आवक के रास्ते खोलने पड़ेंगे और जलाशयों से अतिक्रमण हटाने होंगे। वरना गंभीर जल संकट उत्पन्न हो जाएगा। दिलावर ने जल प्रदूषण पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि अब भूमि जल भी दूषित होने लगा है। पुराने लोग कहा करते थे कि बहता पानी साफ होता है और रुका हुआ पानी खराब होता है। इसलिए नदी का पानी स्वच्छ होता है। उसे गंदा एवं प्रदूषित नहीं करे। नदी, तालाबों की हमारे पूर्वजों ने पूजा की,उन्हें भगवान माना ताकि उनके अस्तित्व पर किसी प्रकार का संकट नहीं आए और हम उनका संरक्षण करे। आज फिर से इन जलस्रोतों को पूजने और इनको पवित्र बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि जीवनदाई स्वच्छ जल हमको और हमारी पीढ़ियों को मिलता रहे।

जलाशय बचाना है अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना है और तालाब, नदियों और अन्य जलस्रोतों का संरक्षण करना है। कार्यक्रम में कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कैलाश, जयपुर की जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा, जोरपुरा गांव की सरपंच गोरा देवी कुमावत भी मौजूद थे।

नदी सभ्यताओं की जननी, इसका करे संरक्षण : दिलावर

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा है कि नदी मानव सभ्यताओं की जननी है यदि नदिया सूख गई तो मानव सभ्यता संकट में पड़ जाएगी। दिलावर शुक्रवार को जयपुर के कालवाड़ ग्राम पंचायत में बांडी नदी, ग्राम पंचायत नर्सरी में आयोजित नदी संरक्षण संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जल है तो जीवन है। अगर जल नहीं तो कल नहीं और जीवन संकट में पड़ जाएगा लेकिन आधुनिकता की आंधी दौड़ में हम जल के महत्व को भूलते जा रहे है। उन्होंने कहा कि नदियां और तालाब जो जल संग्रहण के प्राकृतिक स्रोत थे वो हमारी महत्वकांक्षाओं की भेट चढ़ रहे है। जगह जगह अतिक्रमण कर हम नदियों और तालाब को नुकसान पहुंचा रहे है जबकि हमारे पुरखे नदियों और तालाबों की पूजा करते थे। वो जानते थे कि पानी के बिना हमारा जीवन संभव नहीं हमारी भारतीय संस्कृति में बच्चे के जन्म के समय कुआं पूजन की परंपरा है। जो ये बताता है जन्म के बाद जीवित रहने के लिए पानी अतिआवश्यक है।

दिलावर ने लोगों से अपील की कि जल के महत्व को पहचाने और नदी, तालाब और कुओं के संरक्षण को प्राथमिकता दे। नदी नहीं रहेगी तो हम भी नहीं रह पाएंगे। क्यों कि नदियां प्रकृति शुद्ध जल का भंडार तो है ही, ये भूमि जल को भी रिचार्ज करती है। जिसके कारण भूमि में जल स्तर बढ़ता है और पेड़, पौधे, प्रकृति फलती फूलती है।

कांग्रेस ईआरसीपी पर झूठ की राजनीति बन्द करे : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लेकर 'झूठ की राजनीति' बन्द करे। एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राज्य में संशोधित पार्वती–कालीसिंध–चंबल लिंक परियोजना (पीकेसी) का नाम बदलकर रामजल सेतु लिंक परियोजना कर दिया था। पीकेसी को पहले ईआरसीपी के नाम से जाना जाता था। रावत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को राम के नाम से ही चिढ़ है।

उन्होंने कहा, राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच नदी जोड़ो परियोजना में राजस्थान के शब्द से रा और मध्यप्रदेश के शब्द से म लिया गया है। रावत ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा झूठ फैला रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि डोटासरा को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, क्योंकि पिछले कार्यकाल में उनकी अतिवादी मानसिकता की वजह से आज कांग्रेस की दुर्दशा हुई है और उपचुनाव में भी जनता ने करारी चोट दी है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों को वर्ष 2054 तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री दिन–रात राजस्थान के विकास के लिए कार्य कर रहे है। यह कांग्रेसियों को हजम नहीं हो रहा है, क्योंकि होटलों से सरकार चलाने वाले ये लोग कभी जनता की भावना को समझ ही नहीं सकते। रावत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 दिसम्बर 2024 को परियोजना के 10 हजार करोड़ कार्यों का शिलान्यास किया है। अतः कांग्रेसी झूठ की राजनीति से बाहर आए और जनता के हित में काम करें।

बीकानेर में सड़क हादसे में मां-बेटी सहित तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में एक मां–बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार यह हादसा एक निजी बस और कार में आमने–सामने की टक्कर के कारण हुआ। यह हादसा आज सुबह बीकानेर–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर श्रीडूंगरगढ़ कस्बे के कीतासर गांव के पास हुआ। थानाधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि बस जयपुर जा रही थी, जबकि कार विपरीत दिशा से आ रही थी। उन्होंने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार लोग कार में ही फंस गए। उन्हें कार काटकर बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान राजियासर निवासी बाला कंवर के रूप में हुई है। चालक पडिहारा निवासी आरिफ की भी मौत हो गई है। युवती बुल्ली कंवर पुत्री बाला कंवर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

ईडी ने राजस्थान के पूर्व विधायक के खिलाफ धन शोधन मामले में छापेमारी की

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान में स्कूलों के लिए खेल के सामान की आपूर्ति से संबंधित निधियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में एक पूर्व विधायक के कई परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामले में बहरोड़ (राजस्थान) के पूर्व निर्दलीय विधायक बलजीत सिंह के खिलाफ जयपुर और दौसा और हरियाणा के रेवाड़ी में कुल नौ स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। पूर्व विधायक से तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जा रही है और मामला स्कूलों को खेल उपकरण की आपूर्ति की आड़ में विधायक निधि के कथित गबन से संबंधित है।

विकसित भारत का संकल्प साकार करें छात्र : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कहा कि दीक्षित छात्र अर्जित ज्ञान का नैतिकता और विवेकशीलता के साथ इस्तेमाल कर लोक कल्याण के लिए समर्पित रहें तथा निरंतर बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करें। बागड़े शुक्रवार को कोटा में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा जीवन पथ का आलोक है, उससे प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करें।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत की परंपरा जीवन का एक नया अध्याय है, जिसमें छात्र को ज्ञान के सागर में उतरकर अनेक नवाचार करने होंगे और देश–समाज के उत्तरदायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं, कौशल और बौद्धिक क्षमता का संवर्धन करना अत्यंत आवश्यक है। बागड़े ने छात्रों का आह्वान किया, ऐसा कर्म करो कि आपकी पहचान बन जाए। हर कदम ऐसा रखो कि निशान बन जाए। भगवान महावीर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए ऐसा जीवन जियो कि कर्तव्य पथ से कोई आपको डिगा न सके, कोई आपकी तपस्या भंग न कर सके।

उन्होंने शिक्षकों का भी आह्वान किया कि वे अपना ज्ञान भंडार छात्रों को हस्तांतरित करें और हमेशा उनके विकास के लिए प्रयासरत रहें। बागड़े ने कहा, नयी शिक्षा नीति के उत्कृष्ट परिणाम आने वाले समय में परिलक्षित होंगे। यह शिक्षा नीति देश, समाज और हर नागरिक के लिए उपयोगी होगी। यह सिर्फ लिखने–पढ़ने के बजाय जीवन कैसा हो, इसकी बारीकियां सिखाएगी।

साइबर ठगी करने वालों को बैंक खाते मुहैया कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर शील्ड अभियान के तहत बीकानेर पुलिस ने साइबर ठगी करने वालों को बैंक खाता मुहैया करवाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बीकानेर के छह युवकों को गिरफ्तार करके उनसे आठ बैंक पास बुकें, 16 चेक बुकें, 23 एटीएम और डेबिट कार्ड, तीन अलग–अलग फार्म, तीन सील मोहरें और एक मय फर्म केवाईसी जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक कावेंद्रसिंह सागर ने शुक्रवार को बताया कि गिरोह के पास सेविंग और करंट अकाउंट के डाटा मिले हैं, जिससे संदेह है कि इस ठगी में बैंक कर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि समर्थ सोनी (32), धर्मनारायणसिंह राजपूत (24), रोहितसिंह सोलंकी (25), शिवनारायणसिंह राजपूत (29), विकास बिश्नोई (29, जीएसएस ऑपरेटर), गुरुदेव बिश्नोई (25) को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी बीकानेर के हैं।

उन्होंने बताया कि साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर ठगी के शिकार हुए देश भर के अलग–अलग राज्यों के लोगों द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायतों के आधार पर इस गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाने वालों ने उन बैंक खातों का नंबर भी दिये जिनमें उनसे राशि जमा करवाई गई थी।

ऐसे 75 बैंक खातों की जांच करने पर कुल मिलाकर 51 करोड़ 81 लाख रुपए की धोखाधड़ी किया जाना पाया गया। इन नंबरों के आधार पर ही जांच पड़ताल करते हुए उक्त छह युवकों को गिरफ्तार किया गया।

सागर ने बताया कि पूछताछ में इन ठगों ने स्वीकार किया कि वे भोले– भाले और गरीब लोगों के बैंक अकाउंट खुलवाकर साइबर ठगी करने वालों को उनके नंबर बता देते थे। बैंक से मिलने वाली एटीएम कार्ड की किट भी साइबर ठगी करने वालों को पार्सल द्वारा भिजवा देते थे। बैंक खातों के नंबर बताए जाने के बाद उनमें जमा होने वाली साइबर ठगी की राशि साइबर ठग उनके द्वारा भिजवाए गए एटीएम कार्ड और चेक बुक आदि से निकलवा लेते थे। उन्होंने बताया कि बैंक खाता खुलवाने वाले भोले–भाले और गरीब लोगों को ये युवक बदले में पांच से 10 हजार रुपए ही देते थे।

उन्होंने बताया कि साइबर फ्रॉड में उपयोग लिए गए बैंक खातों में केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, मध्यप्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, बिहार, हरियाणा, गोवा, उत्तराखंड और मेघालय के लोगों द्वारा साइबर फ्रॉड की शिकायतें की गई थी। सागर ने बताया कि पकड़े गए उक्त युवकों से प्रारंभिक पूछताछ में बैंक कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध रूप से सामने आई है। युवकों से पूछताछ जारी है। उनसे कई और वारदातें खुलने की संभावना है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में दिलवाई मतदाता शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर ने शुक्रवार को जयपुर में समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलवाई। निदेशक बुनकर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य के सभी राजकीय विभागों में दिनांक 24.01.2025 को प्रातः 11:00 बजे मतदाता शपथ दिलवाई जाने हेतु श्रीमान मुख्य सचिव महोदय राजस्थान सरकार से निर्देश प्राप्त हुए है। जिससे लोकतंत्र में सभी की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। निदेशक ने बताया कि निर्वाचन विभाग की ओर से प्रेषित प्रारूप अनुसार समस्त कार्मिकों को मतदाता शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक मेघराज सिंह मीणा, श्रीमती अनुपमा टेलर, वित्तीय सलाहकार पदमचंद, उपनिदेशक बनवारी सिनसिनवार, डॉ. मंजू यादव सहित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री ने बारां जिले में ईआरसीपी परियोजना के कार्यो को गति प्रदान करने हेतु भूमि आवंटन की दी स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (रामजल सेतु लिंक परियोजना) के कार्यों को गति प्रदान करने और बारां जिले में जनजाति बहुल क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भूमि आवंटन के महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। शर्मा ने रीको को राजस्थान पेट्रोजोन की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति भी प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024–25 के क्रम में कोटा संभाग में बालिका सैनिक विद्यालय की स्थापना के लिए कोटा जिले की रामगंजमण्डी तहसील में 22 हैक्टेयर भूमि का आवंटन स्कूल शिक्षा विभाग को करने की स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत बांरा जिले में रामगढ एवं महलपुर बैराज के निर्माण से डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापितों एवं प्रभावित परिवारों को अन्यत्र बसाने हेतु आबादी के लिए ग्राम कोयला में 35 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार, वन भूमि प्रत्यावर्तन के तहत तहसील शाहाबाद की 381 हैक्टेयर भूमि एवं तहसील किशनगंज की 551 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आवंटित करने की मंजूरी दी गई है, इससे ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत किये जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध हो सकेगी।

एक अन्य निर्णय के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों की महत्वाकांक्षी पीएम जनमन योजना के तहत बारां जिले की स्वीकृत 14 सड़कों के निर्माण के लिए वन भूमि प्रत्यावर्तन के अंतर्गत 21 हैक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी के पास राजस्थान पेट्रोजोन की स्थापना के लिए रीको को पचपदरा तहसील (बालोतरा) के ग्राम बोरावास में 97 हैक्टेयर भूमि और ग्राम बागुण्डी में 26 हैक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति दी है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू-प्रिंट तैयार करें : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय युवा संसद आरंभ हुई। देवनानी ने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये दो सौ से अधिक युवाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर आयोजित युवा संसद का शुभारम्भ किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं का आवहान किया कि सभी को मिल–जुल कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में कदम बढाने होगें। इसके लिये देश का भविष्य और वर्तमान युवा को दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रतिबद्व होकर कार्य करने होंगे। उन्होने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिये प्रत्येक व्यक्ति को अपना दायित्व समझना होगा और सजग रहकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। तकनीकी ज्ञान के साथ पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की हर बूंद के उपयोग का प्रयास करना होगा। देवनानी ने युवाओं से कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर राजस्थान विधान सभा के सदन में चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू प्रिंट आवश्यक रूप से तैयार करें।

देवनानी ने शुक्रवार को विधान सभा सदन में राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय युवा संसद को संबोधित करते हुये कहा कि जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधन हैं तो मानव जीवन है। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव और धरती का अस्तित्व बना रहेगा। देवनानी ने कहा कि औद्योगिकीकरण एवं वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से हमें प्रेम करना होगा। इसी से हमारे स्वयं के साथ समाज व देश का सुव्यवस्थित विकास हो सकेगा। देवनानी ने आकाशो–शांति, पृथ्वी–शांति, अंतरिक्ष–शांति और सभी जीव जगत की शांति के लिये प्रार्थना करते हुये कहा कि पर्यावरण विषय के इस युवा संसद का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ाना है साथ ही प्राकृतिक संसाधनों एवं पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति भी जागरूकता और संवेदनशीलता के साथ हमें अपनी मानवीय जिम्मेदारियों पर समझ बढानी होगी।

राजमाता के स्मारक की दुर्दशा देखकर बिफरीं वसुंधरा, व्यवस्था पर उठाए सवाल

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे आज जोधपुर प्रवास पर रहीं। इस दौरान भाद्राजून रवाना होने से पहले वे रेजिडेंसी रोड स्थित राजमाता विजया राजे सिंधिया के स्मारक पर पहुंचीं और राजमाता के मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि जोधपुर में नगर निगम में भाजपा है और महिला महापौर होने के बाद भी स्मारक की ये दुर्दशा है। जब एक स्मारक की ही कोई सुध नहीं ली जा रही है, शहर और प्रदेश के क्या हालात होंगे? उन्होंने कहा कि मैं जब कल यहां से निकली थी तो मैंने बाहर से यहां के हालात देखे थे, यही देखने के लिए आज यहां पहुंची हूं लेकिन यहां जो सर्कल बना हुआ है, उसकी सुध नहीं ली जा रही है। राजमाता ने न केवल प्रदेश के लिए बल्कि देश के लिए भी बहुत कुछ किया है, उसके बावजूद भी सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। राजे के बयान के तुरंत बाद अधिकारियों ने आनन–फानन में कर्मचारियों को मौका स्थल पर भेजा और वहां की साफ–सफाई और पेड़ों की छंटाई करवाई । भाजपा नेता घनश्याम वैष्णव ने इस बारे में कहा कि यह पूर्व मुख्यमंत्री की माताजी का स्मारक है, जिसकी दुर्दशा देखकर वे नाराज हुई थीं। इसके बाद तुरंत ही अधिकारी हरकत में आए और पेड़ों की कटाई के लिए कर्मचारियों को मौके पर भेजा।

नये जिलों में जिला परिषद के गठन को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने आठ नये जिलों में जिला परिषद के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही 12 अन्य जिलों में जिला परिषदों का पुनर्गठन भी होगा। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नये जिलों में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने नयी जिला परिषदों के गठन एवं प्रभावित जिला परिषदों के पुर्नगठन से संबंधित कार्यवाही के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

बयान के अनुसार, राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम के तहत संबंधित जिलों (8 नये जिले और 12 प्रभावित जिले) के जिलाधिकारी पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के आधार पर जिला परिषद के गठन एवं पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करेंगे।

जातिवाद-परिवारवाद की राजनीति वे लोग कर रहे जिन्होंने केवल परिवार की चिंता की : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर प्रहार करते हुए कहा कि जातिवाद-परिवारवाद की राजनीति वे लोग कर रहे हैं, जिन्होंने केवल परिवार की चिंता की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों ने जनता-जनार्दन, दलित-वंचित, पिछड़ी जाति के व्यक्तियों का उत्थान नहीं किया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार चंद्रभानु पासवान के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ की जनसभा के कुछ घंटे पहले ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि भाजपा राज में पक्षपात की उलटी गणित : जो पीडीए समाज संख्या में 90 प्रतिशत हैं, अयोध्या में प्रशासनिक नियुक्तियों में उस पीडीए समाज की हिस्सेदारी केवल 20 प्रतिशत के करीब है। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा, जिनकी संख्या 10 प्रतिशत है उन प्रभुत्ववादियों की प्रशासनिक पदों पर 80 प्रतिशत नियुक्तियां की गई हैं। और कुछ नहीं कहना है। सपा के पीडीए का आशय पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने पलटवार करते कहा, जातिवाद-परिवारवाद की राजनीति वे लोग कर रहे हैं, जिन्होंने केवल परिवार की चिंता की। जनता-जनार्दन, दलित-वंचित, पिछड़ी जाति के व्यक्तियों का उत्थान नहीं किया। आदित्यनाथ ने महाकुंभ का हवाला देकर जातिवाद पर प्रहार किया और कहा कि ''महाकुंभ का एक ही संदेश- एकता से ही अखंड रहेगा यह देश, लेकिन जातिवाद-परिवारवाद एकता के मार्ग में सबसे बड़ी चुनौती होने के साथ विकास की राह में बाधा है।

उन्होंने कहा कि इसी क्षेत्र के डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि जो संपत्ति व संतति के चक्कर में पड़े, वह समाजवादी नहीं, लेकिन आज के समाजवादी संपत्ति के चक्कर में ही पड़े हैं।

हिंदू महासभा ने ताजमहल में शाहजहां के उर्स के आयोजन का विरोध किया

आगरा/भाषा। हिंदू महासभा के सदस्यों ने ताजमहल को 'तेजो महालय' बताते हुए वहां शाहजहां के उर्स के आयोजन के खिलाफ शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन किया।

पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने मॉल रोड स्थित एएसआई कार्यालय के बाहर नारेबाजी की। उन्होंने ताजमहल को 'तेजो महालय' के रूप में दर्शाने वाली तख्तियां थामे रखी थीं, जिसके गुंबद पर भगवा झंडा लहराता नजर आ रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को एएसआई कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिसके कारण वे गेट पर बैठ गए और काफी देर तक नारे लगाते रहे। उसने बताया कि बाद में एएसआई अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों का ज्ञापन स्वीकार कर लिया। हिंदू महासभा के प्रवक्ता संजय जाट ने कहा, हम तेजो महालय (ताजमहल) में आयोजित होने वाले उर्स का विरोध करते हैं। आरटीआई कानून के तहत दायर आवेदन से पता चला कि कार्यक्रम का आयोजन एएसआई करता है। अगर ऐसा है, तो इसकी जिम्मेदारी स्थानीय समिति को क्यों सौंपी गई है? ताजमहल हमारा है और हम उर्स के आयोजन का विरोध करना जारी रखेंगे।

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य को विकसित, आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश वासियों को राज्य के 76वें स्थापना दिवस की बधाई दी और मिलकर उत्तर प्रदेश को 'विकसित-आत्मनिर्भर प्रदेश' बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, अगले चार वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश 10 खरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में खुद को स्थापित करेगा।

उत्तर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को समर्पित उत्तर प्रदेश दिवस की भव्य शुरुआत लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में शुक्रवार को हुई। 24 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय समारोह का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। योगी ने अपने संबोधन में कहा, 2016-17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपए की थी, जो अब 27 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है और अगले चार वर्ष में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश 10 खरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में खुद को स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिला सभी के विकास के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। कानून-व्यवस्था, निवेश, पर्यटन और आधारभूत संरचना में सुधार के जरिये उत्तर प्रदेश देश के विकास इंजन के रूप में उभरा है।

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के मसीहा थे : उपराष्ट्रपति धनखड़

समस्तीपुर (बिहार)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को सामाजिक न्याय का मसीहा बताते हुए शुक्रवार को कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल गरीबों और वंचितों के हित में किया। समाजवादी नेता ठाकुर की 101वीं जयंती के अवसर पर समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम में एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, ''कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के मसीहा थे। वह हमेशा समानता, बंधुत्व और सभी के लिए न्याय में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल गरीबों और वंचितों के हित में किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह (ठाकुर) भारत में सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण के पर्याय थे, जिन्होंने बिहार के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी।

ठाकुर को पिछले साल केंद्र सरकार ने मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। धनखड़ ने कहा, कर्पूरी ठाकुर एक सच्चे राजनेता थे... वह एक अपवाद थे और उन्हें जननायक के रूप में जाना जाता था। उन्हें देश में सामाजिक न्याय के विचार को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है। उन्हें भारत रत्न देने का सरकार का फैसला हाशिए पर पड़े लोगों के एक चैंपियन तथा समानता और सशक्तीकरण के एक दिग्गज के रूप में उनके सतत प्रयासों का प्रमाण है। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल उल्लेखनीय था। ठाकुर ने सुनिश्चित किया कि शिक्षा उन लोगों के लिए सुलभ हो जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर थे। उन्होंने कहा कि ठाकुर ने 'मैट्रिक' पाठ्यक्रम से अंग्रेजी को अनिवार्य विषय के रूप में हटा दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े लोगों और दलित वर्ग के लिए आरक्षण की स्थिति तैयार करने में उनके प्रयास महत्वपूर्ण थे।

आखिर सोशल मीडिया मंच फर्जी बातों को ब्लॉक क्यों नहीं करते : राजीव कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि सोशल मीडिया मंच आसानी से पहचाने जा सकने वाले फर्जी सामग्री को ब्लॉक या कम से कम उन्हें चिह्नित भी नहीं कर रहे हैं तथा खुद को बचाने के लिए तथ्यों की जांच-परख का काम चुनाव निकायों पर छोड़ रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि यहां व्यापारिक हित काम कर रहे हैं। कुमार का कहना था, यह पहले बीमारी फैलाने और फिर दवाएं बेचने जैसा है। इसका नुकसान निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और लोकतंत्र की शुचिता को होता है। चुनाव प्रबंधन निकायों के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को ''बहुत देर हो जाने'' से पहले आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी, असत्यापित और ऐसे भ्रामक विमर्श का साया नहीं होना चाहिए, जो बुनियादी रूप से विघटनकारी हैं।

कुमार के अनुसार, यह सोशल मीडिया मंच के हित में है कि बहुत देर होने से पहले फर्जी चीजों का पता लगाया जाए और उसे ब्लॉक किया जाए। उन्होंने आगाह किया, लोकतंत्र और इस तरह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने वाली ताकतों की मदद नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रबंधन निकायों को इन चुनौतियों के प्रबंधन के लिए एक रूपरेखा तैयार करनी चाहिए और उसे अपनाना चाहिए।

कुमार ने कहा कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकियां विकसित होंगी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कि एआई से चुनाव निकायों को मतदाता सूची को परिष्कृत करने, अनियमितताओं का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

स्कूल बैंड प्रतियोगिता बच्चों में गौरव, देशभक्ति की भावना बढ़ाएगी : रक्षा सचिव

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा सचिव आर. के. सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बच्चों में एकता की भावना और देश के प्रति गौरव एवं देशभक्ति का जज़्बा बढ़ाने के उद्देश्य से गणतंत्र दिवस समारोह से पहले यहां राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। सिंह, मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम परिसर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां देश भर से चुने गए शीर्ष 16 स्कूल बैंड 'ग्रैंड फिनाले' में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। रक्षा सचिव ने आयोजन स्थल पर प्रतिस्पर्धी टीमों के सदस्यों के रूप में भाग ले रहे छात्रों और अन्य को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'ग्रैंड फिनाले' में 466 स्कूली छात्रों की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। वार्षिक परेड में सैन्य बैंड की भागीदारी का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों में सैन्य संगीत की बहुत जीवंत परंपरा है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा मनोबल बढ़ाती हैं, समारोहों को गरिमा प्रदान करती है और प्रतिभाशाली लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देती है।

रक्षा सचिव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने गणतंत्र दिवस समारोहों में सह-प्रतिभागी बनने के लिए ''प्रतिभाशाली स्कूली बच्चों को शामिल और प्रोत्साहित करने'' के प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल बैंड का दस्ता...बच्चों और वयस्कों में समान रूप से देशभक्ति का जुनून जगाता है, जिससे एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा होती है।

सीबीआई ने आर जी कर मामले में दोषी को मृत्युदंड की मांग के साथ उच्च न्यायालय में अपील की

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आर जी कर अस्पताल बलात्कार एवं हत्या मामले के दोषी संजय रॉय के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में अपील की। न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि वह 27 जनवरी को सीबीआई की अपील पर सुनवाई करेगी और साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार की उस प्रार्थना पर भी सुनवाई करेगी जिसमें इसी तरह की याचिका के साथ उसकी अपील को स्वीकार करने का अनुरोध किया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने अधीनस्थ अदालत द्वारा रॉय को सुनायी गई आजीवन कारावास की सजा की अपर्याप्तता का दावा करते हुए अपनी अपील पर न्यायमूर्ति बसाक और न्यायमूर्ति शब्बर रशीदी की इस खंडपीठ से सुनवाई का अनुरोध किया है। सीबीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए उप सॉलीसीटर जनरल मजूमदार ने कहा कि मामले की जांच कर चुकी इस केंद्रीय एजेंसी को सजा की अपर्याप्तता के आधार पर अधीनस्थ अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार है।

प्रधानमत्री ने 'रुपए का शतक' लगवाने की ठान ली है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि वह रुपए का शतक लगवाकर ही मानेंगे। पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में रुपए के मूल्य में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार से अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद रुपया संभल नहीं रहा है।

सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और अमेरिकी मुद्रा सूचकांक में नरमी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बृहस्पतिवार को नौ पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.44 पर बंद हुआ था। श्रीनेत ने संवाददाता सम्मेलन में 'मैग्निफाइंग ग्लास' दिखाते हुए कहा, मैं ढूंढ रही हूं कि रुपया कहां तक गिरता चला गया है? इसी के साथ यह भी ढूंढ रही हूं कि प्रधानमंत्री की गरिमा कहां तक गिरी है? आज रुपया ढूंढने पर भी नहीं मिल रहा है, गिरता ही चला जा रहा है, संभाले नहीं संभल रहा। रुपया 87 पर गोते लगाने को तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी को कोई बताए कि रुपए का शतक नहीं लगवाना है, रुपए को संभालना है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की एक पुरानी टिप्पणी का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, एक बड़े महान अर्थशास्त्री ने कहा था कि जैसे-जैसे रुपया गिरता है, प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा गिरती है। सुना है प्रधानमंत्री आवास पर खुदाई चल रही है और ढूंढा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा आखिर कौन से गड्ढे में जाकर गिर गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर 87 पार जाने की कोशिश में है। श्रीनेत के अनुसार, जब नरेन्द्र मोदी मई 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बने थे, तब डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 58 थी। उन्होंने कहा, मई, 2014 में एक डॉलर 58 रुपए का था और जनवरी 2025 में 1 डॉलर की कीमत 87 रुपए है। श्रीनेत ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रुपए के मूल्य को 50% तक ''डुबो'' दिया है। हालात ये हैं कि रुपए को बचाने के लिए रिजर्व बैंक ने पूरी ताकत लगा दी है। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर था, लेकिन इसके बाद से रुपए को बचाने के लिए 80 अरब डॉलर यानी 6,83,000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए, लेकिन रुपया संभल नहीं रहा है। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री मोदी रुपए का शतक लगाने में जुटे हुए हैं।

भाजपा नेता ने 'एक्सपायर' दवा देने के मामले में ममता का इस्तीफा मांगा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के अन्य नेताओं के साथ शुक्रवार को यहां एक रैली निकाली और मिदनापुर के अस्पताल में कथित तौर पर 'एक्सपायर' हो चुके 'इन्ट्रावीनस (आईवी) फ्लूड' दिए जाने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग की। 'एक्सपायर' हो चुके 'इन्ट्रावीनस (आईवी) फ्लूड कथित रूप से चढ़ाने से एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थीं।

अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार पर राज्य के स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री से दोष हटाने के लिए डॉक्टरों को फंसाने का आरोप लगाया। मोहम्मद अली पार्क के निकट आयोजित रैली में अधिकारी ने कहा, मैं भाजपा की डॉक्टर शाखा के सदस्यों के साथ राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मिलूंगा और उन्हें स्थिति से अवगत कराऊंगा। भाजपा के नेता ने इस घटना के लिए स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल रही बनर्जी और निगम को जिम्मेदार ठहराया। अधिकारी ने रैली को कॉलेज स्क्वायर से एस्प्लेनेड तक नहीं जाने देने के लिए पुलिस की भी आलोचना की।

विज्ञान के सहकारी क्षेत्र से जुड़ने पर कृषि हो जाता है लाभदायक व्यवसाय : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालेगांव/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान के सहकारी क्षेत्र का हिस्सा बनने पर कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है। इसके साथ ही शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए उनके योगदान पर सवाल उठाया।

उत्तर महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में सहकारिता क्षेत्र की एक बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, सिर्फ नेता बनना ही काफी नहीं है, आपको जमीन पर भी काम करने की जरूरत होती है। शाह ने कहा कि विज्ञान के महत्व पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान जय किसान' के मशहूर नारे में 'जय विज्ञान' को भी शामिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले शाह ने कहा कि जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है। उन्होंने कहा कि जैविक कृषि उत्पादों की पैकेजिंग एवं विपणन के लिए सहकारिता मंत्रालय के तहत एक अलग इकाई 'भारत सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड' (आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि.) की स्थापना की गई है।

बिहार में सड़क किनारे खड़े ट्रक में आग लगी, दो लोग जिंदा जले

आरा/भाषा। बिहार के भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में शुक्रवार सुबह आग लगने से वाहन में सवार चालक और उसका सहायक जिंदा जल गए। भोजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज के अनुसार, ट्रक चालक और उसके सहायक ने अपना 18 पहिया वाहन सड़क किनारे खड़ा किया था और तभी उन्हें झपकी लग गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रक में कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई और दोनों जिंदा जल गए।

एसपी के मुताबिक, मृतकों की पहचान चालक भीम सिंह (56) और सहायक विकास कुमार (20) के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी थे। दोनों देर रात पश्चिम चंपारण जिले से लौटे थे और अपने ट्रक के भीतर ही सो गए थे। एसपी के अनुसार, भीम और विकास ने ट्रक के दरवाजे अंदर से बंद कर दिए थे और इस दौरान वाहन में संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। एसपी ने बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की जांच के लिए फोरेंसिक टीम मौके पर है।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं।

बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट हासिल किए। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

रणजी ट्रॉफी में दूसरी पारी में 28 रन ही बना पाए रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रोहित शर्मा ने अपने वास्तविक खेल की झलक दिखाते हुए उमर नजीर पर छक्का जड़ा तथा आकिब नबी और युद्धवीर सिंह पर भी आकर्षक शॉट लगाए लेकिन भारतीय कप्तान रणजी ट्रॉफी में लगभग एक दशक बाद वापसी करने पर दूसरी पारी में भी क्रीज पर लंबा समय नहीं बिता पाए और 28 रन बनाकर आउट हो गए।

रोहित मुंबई की तरफ से जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेलते हुए पहली पारी में 19 गेंद पर केवल तीन रन ही बना पाए थे लेकिन दूसरी पारी में शुरू में उन्होंने अपने आक्रामक अंदाज का खुलकर प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरी पारी में 28 रन बनाए, जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलूरु टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित यह अर्धशतक लगाने के बाद रन बनाने के लिए जूझते रहे। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाद के मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए। रोहित को जम्मू कश्मीर के खिलाफ दूसरी पारी में जीवनदान भी मिला जब नजीर अपनी ही गेंद पर उनका कैच नहीं लपक पाए। रोहित ने इसके तुरंत बाद स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाया।

सुविचार

दुआ कभी साथ नहीं छोड़ती और बद्दुआ कभी कभी पीछा नहीं छोड़ती। जो दोगे वही लौटकर आएगा, चाहे वह इज्जत हो या धोका।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सराहनीय फैसला

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 17 धार्मिक स्थलों पर शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाने का फैसला सराहनीय है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह कहकर कि 'शराब से परिवार के परिवार बर्बाद हो जाते हैं, सामाजिक बुराइयां भी आती हैं, इसलिए देसी हो या विदेशी, धार्मिक शहरों में शराब की दुकानों पर ताले लगाए जाएंगे', उन परिवारों की पीड़ा को अपने शब्दों में अभिव्यक्त किया है, जिनमें किसी को शराब की लत लग गई थी। यह देखकर आश्चर्य होता है कि जब दूध, लस्सी, शर्बत और जूस जैसी इतनी अच्छी चीजें दुनिया में उपलब्ध हैं, जो सेहत को फायदा पहुंचाती हैं, फिर भी कुछ लोग शराब जैसे जहर को मुंह क्यों लगाते हैं! कई शायर ज़माने को सही राह दिखाने और जागरूक करने के बजाय शराब की शान में कलम चलाते रहे, लोग उनकी 'रचनाओं' पर वाह-वाह कर दाद देते रहे! शराब ने कितने ही परिवारों को तबाह कर दिया। अगर कोई सरकार इसके प्रसार को सीमित करने, प्रतिबंधित करने का फैसला लेती है तो यह स्वागत-योग्य है। सरकार की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हो जाती। उसे संबंधित इलाकों में कड़ी नजर भी रखनी होगी। प्राय: जहां शराब पर प्रतिबंध लगाया जाता है, वहां अवैध शराब का धंधा चलाने वाले गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। वे या तो दूसरे राज्यों / इलाकों से तस्करी के जरिए शराब लाकर चोरी-छिपे बेचने लगते हैं या अपने यहां ही भट्टियां लगा लेते हैं। अवैध तरीके से बनी यह शराब बहुत ज्यादा नुकसानदेह होती है। कई बार जहरीली शराब बन जाती है। उसे पीने वाले दर्जनों लोग एकसाथ काल के गाल में समा जाते हैं। उसके बाद सरकार पर ठीकरा फोड़ा जाता है।

हमारे देश में ऐसे कई गांव हैं, जहां लोग शराब से दूरी बना चुके हैं। कुछ गांव अपने देवता के प्रति गहरी आस्था होने के कारण शराब जैसी बुराई को आने ही नहीं देते। याद रखना चाहिए कि शराब किसी के जीवन में अकेली नहीं आती।

वह स्थिति बड़ी मुश्किल होती है। अगर शराब पर प्रतिबंध न लगाए तो सरकार जिम्मेदार, अगर प्रतिबंध लगा दे और लोग जहरीली शराब पीने लगें तो भी सरकार जिम्मेदार! बेशक मद्यपान को हतोत्साहित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन कुछ जिम्मेदारी लोगों की भी है। अगर लोग ही शराब से दूरी बना लें तो यह बुराई खत्म हो जाए। शराबमुक्त समाज बनाना असंभव नहीं है। हमारे देश में ऐसे कई गांव हैं, जहां लोग शराब से दूरी बना चुके हैं। कुछ गांव अपने देवता के प्रति गहरी आस्था होने के कारण शराब जैसी बुराई को आने ही नहीं देते। याद रखना चाहिए कि शराब किसी के जीवन में अकेली नहीं आती। वह क्रोध, झगड़ा, आर्थिक हानि, जुआ, सट्टा और बीमारियां भी लाती है। कितने ही लोग ऐसे हैं, जिन्हें शराब की लत लग गई तो उनका मिज़ाज बदल गया। उनके घरों में कलह-क्लेश का माहौल रहने लगा। वे नशे के कारण विवेक का लोप हो जाने से जुआ, सट्टा आदि में रुपए उड़ाने लगते हैं। जब तक उनकी सेहत साथ देती है, नशाखोरी का सिलसिला चलता है। एक बार जब सेहत बुरी तरह बिगड़ जाती है तो पछतावे के अलावा कुछ नहीं रहता। हमारे आस-पास ही ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो अपने जीवन में बहुत अच्छे काम कर सकते थे, लेकिन शराब की लत ने उन्हें नुकसान पहुंचाया। ऐसे व्यापारियों के किस्से सबने सुने होंगे, जिनका व्यापार किसी समय खूब चमका था, फिर शराब की बोतल में ऐसा डूबा कि सबकुछ चौपट हो गया। पिछले कुछ दशकों में शराब पर बने गानों का लोकप्रिय होना अशुभ संकेत है। लोग, खासकर नौजवान इन पर खूब थिरकते मिल जाते हैं। नशाखोरी को बढ़ावा देने वाले ऐसे गाने लिखना, गाना, प्रसारित करना कला का अपमान है। इनसे देश का युवा गुमराह होता है। सरकार को इस संबंध में भी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में आयुध फैक्टरी में हुए विस्फोट से जान गंवाने वाले व्यक्तियों के शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। आशा करता हूं कि अभी तक फंसे लोगों को रेस्क्यू कर लिया जाएगा।

-अशोक गहलोत

जोधपुर में शेरगढ़ के लोकप्रिय विधायक श्री बाबू सिंह राठौड़ जी के सुपुत्र चिरंजीवी श्री भानुप्रताप सिंह के विवाह समारोह में परिवार के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ। नवयुगल को शुभ-सफल वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएँ प्रदान कीं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

धर्म, ज्ञान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासतों की भूमि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रभु श्री राम से प्रदेश के चहुँमुखी विकास और जनता के कल्याण की कामना करता हूँ।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

उदारता से शुभसंकल्प

बिहार के एक गांव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार रहता था। बुढ़ापे में जब उनके एक पुत्र पैदा हुआ तो दाई ने बधाई के रूप में कुछ उपहार देने की कामना की। ब्राह्मण ने कहा, 'दाई मां, आज मेरी परिस्थिति कुछ देने लायक नहीं है किन्तु मैं वचन देता हूं कि जब भी यह बालक बड़ा होकर कुछ कमाने के लायक होगा तो इसकी पहली कमाई मैं आपको अर्पण कर दूंगा।' बालक लगभग सात वर्ष का हुआ तो संयोगवश राजा की सवारी निकली तो राजा की नजर उसी बालक पर पड़ी और पूछा, 'बालक क्या तुम्हें कुछ गाना आता है?' बालक ने कहा, 'महाराज मैं आपको एक कविता सुनाता हूं। कविता सुन राजा भाव-विभोर हो गया। राजा ने बालक की अंजुली सोने की मोहरों व रत्नों से भर दी।' बालक जब यह भेंट लेकर घर पहुंचा और पिता के चरणों में रख दी। पिता को तभी दाई को दिया वचन याद आया और उसने बेटे को कहा कि इस पर हमारा स्वामित्व नहीं है। पिता-पुत्र दोनों दाई के घर पहुंचे। उसे अपना वचन स्मरण करा वह धन दाई को दे दिया। दाई उस ब्राह्मण की उदार भावना से इतनी पुलकित हुई कि उनके मन में शुभ संकल्प जाग उठा।

सामयिक

लोकतंत्र की मज़बूती के लिए मतदाता जागरूकता जरूरी

ललित गर्ग
मो.: 9811051133

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। 'मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं' जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है ''वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम।'' ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे। इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढी कमाई की बर्बादी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई उष्मा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा।

जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऐसा एक नया रास्ता बने जो लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने के लिये एक नया सूरज उदित करे और मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराये, तभी इस दिवस की सार्थकता एवं प्रासंगिकता है।

नजरिया

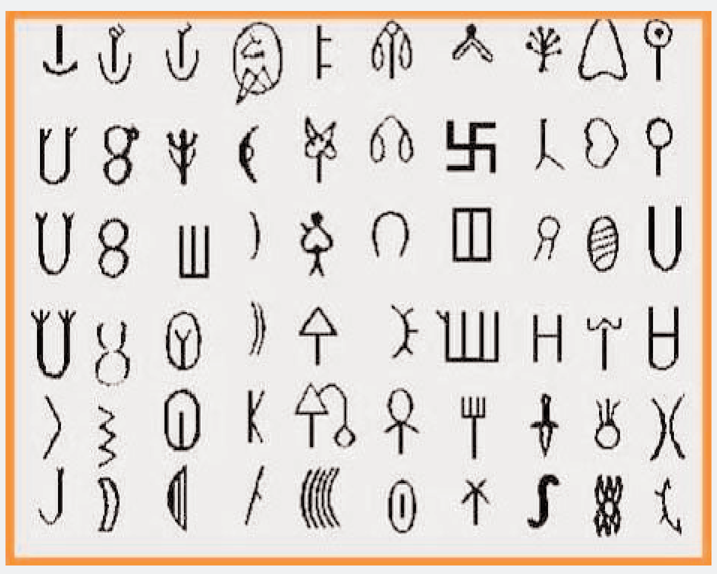

वॉयनिच पांडुलिपि को मशीन-लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके डिकोड किया गया था जिसे प्रसिद्ध मध्ययुगीन लिपियों पर प्रशिक्षित किया गया था। इस बात पर ज़ोर दें कि रुचि और धन उत्पन्न करने के लिए प्राचीन इतिहास को समझने के लिए सिंधु लिपि कितनी महत्त्वपूर्ण है। वित्तीय प्रोत्साहन कैसे सांस्कृतिक और भाषाई रहस्यों में रुचि को फिर से जगा सकते हैं, इसका एक उदाहरण तमिलनाडु की पुरस्कार पहल है। प्राकृतिक आपदाओं या शहरीकरण को पुरातात्विक स्थलों को नष्ट करने से रोकने के लिए अधिक विनियमन की आवश्यकता है।

सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को समझने में कठिनाइयां

डॉ सत्यवान सौरभ

सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि जिसमें 4,000 से अधिक मुहरें और शिलालेख शामिल हैं, इस अत्यधिक विकसित कांस्य युग के समाज (2500-1900 ईसा पूर्व) को समझना मुश्किल बनाता है। यूनेस्को के अनुमान के अनुसार, लिपि में 400-600 अलग-अलग प्रतीक हैं। इसके संक्षिप्त शिलालेखों, द्विभाषी ग्रंथों की कमी और भाषाई वंश पर असहमति के कारण इसकी व्याख्या करना मुश्किल है। बहुत कम लिपि के नमूने मौजूद हैं और सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि अभी भी समझ से बाहर है। चूँकि शिलालेख अक्सर संक्षिप्त होते हैं-जिसमें केवल चार से पाँच प्रतीक होते हैं-इसलिए व्याकरण, वाक्यविन्यास या भाषा संरचना को निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण है। रोसेटा स्टोन में डिक्रिप्शन के लिए व्यापक पाठ था, जबकि सिंधु की अधिकांश मुहरें केवल 1-2 इंच लंबी हैं और उनमें छोटे प्रतीक हैं। रोसेटा स्टोन के विपरीत, सिंधु लिपि की तुलना और डिकोड करने वाले कोई भी द्विभाषी ग्रंथ नहीं खोजे गए हैं। मेसोपोटामिया के शिलालेखों में क्यूनिफॉर्म और अन्य प्राचीन भाषाओं के बीच समानताएँ हैं, लेकिन सिंधु मुहरों में नहीं।

यह शिक्षाविदों के बीच बहस का विषय है कि क्या लिपि एक लेखन प्रणाली है या प्रशासनिक या प्रतीकात्मक चिह्न हैं जिनका कोई भाषाई आधार नहीं है। एक पूर्ण लेखन प्रणाली होने के बजाय, पश्चिमी विद्वानों का तर्क है कि सिंधु प्रतीक प्रारंभिक व्यापार प्रणालियों के टोकन की तरह हैं। कई मुहरों और प्रतीकों को उनके मूल पुरातात्विक संदर्भ के बाहर खोजा गया है, जिससे अनुमानात्मक व्याख्याएँ हुई हैं। मोहनजो-दारो में, खुदाई के दौरान मलबे की परतों में अक्सर मुहरें पाई जाती थीं, जिनका कलाकृतियों या शहरी कार्यों से कोई स्पष्ट सम्बंध नहीं था। शहरी विकास और उपेक्षा के कारण कई साइटों के विनाश के परिणामस्वरूप समझने योग्य कलाकृतियों की मात्रा कम हो गई है। अतिक्रमण के कारण, कालीबंगन जैसे स्थलों पर शिलालेखों और पुरातात्विक परतों तक पहुँच प्रतिबंधित कर दी गई है। दुर्गम डेटाबेस के कारण लिपि को डिकोड करना मुश्किल है। पूर्ण डिजिटलीकरण की कमी और प्रतिबंधात्मक नीतियाँ अक्सर शोधकर्ताओं को सिंधु शिलालेखों तक पूरी पहुँच रखने से रोकती हैं।

कई मुहर डेटाबेस अभी भी अप्रकाशित हैं, जो शोधकर्ताओं की व्यवस्थित भाषाई या कम्प्यूटेशनल विश्लेषण करने की क्षमता में बाधा डालते हैं। राजनेता अक्सर उन व्याख्याओं का विरोध करते हैं और उन पर बहस करते हैं जो लिपि को विशेष भाषाई या सांस्कृतिक समूहों से जोड़ते हैं। आर्यन व्याख्या के विरोधी द्रविड़ कनेक्शन के दावों को चुनौती देते हैं, जिससे वस्तुनिष्ठ शोध अधिक कठिन हो जाता है। राजनीतिक और तार्किक मतभेदों के कारण, दक्षिण एशियाई देशों ने संयुक्त अनुसंधान पर अच्छा समन्वय नहीं किया है। भारत और पाकिस्तान, दो महत्त्वपूर्ण खतउ विरासत हितधारकों के बीच कुछ संयुक्त पुरातात्विक कार्यक्रम मौजूद हैं। लिपि में पैटर्न पहचान के लिए, -ख और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान में प्रगति का अभी भी पूरी तरह से उपयोग नहीं किया गया है। जबकि माया प्रतीकों को -ख द्वारा डिकोड किया गया था, सिंधु मुहरों पर तुलनीय मशीन-लर्निंग अनुप्रयोगों के लिए पर्याप्त एनोटेट डेटा नहीं है। मौजूदा स्थल और शिलालेख बाढ़ और जलवायु परिवर्तन से और भी अधिक नष्ट हो सकते हैं।

2022 में, बाढ़ ने मोहनजो-दारो को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे इसकी विशिष्ट कलाकृतियों का नुक़सान और भी बदतर हो गया। डेटाबेस तक खुली पहुँच प्रदान करना सहयोगी अनुसंधान को प्रोत्साहित करने का एक तरीक़ा है। उचित पुरातात्विक संदर्भ में विश्वव्यापी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए मुहरों और कलाकृतियों के बारे में सभी जानकारी को डिजिटाइज़ और केंद्रीकृत करें। सफल विरासत डेटा डिजिटलीकरण को यूरोपियाना जैसे प्लेटफ़ॉर्म द्वारा मॉडल किया जाता है, जो सिंधु से सम्बंधित समान पहलों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकता है।

राजनीतिक रूप से तटस्थ, बहु-विषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और दक्षिण एशियाई देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करें। यूनेस्को द्वारा समन्वित मेसोपोटामिया की कलाकृति परियोजनाएँ सफल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग दिखाती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-ख), मशीन लर्निंग और कम्प्यूटेशनल मॉडल का उपयोग करके लिपि पैटर्न और भाषाई संभावनाओं की जाँच करें।

वॉयनिच पांडुलिपि को मशीन-लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके डिकोड किया गया था जिसे प्रसिद्ध मध्ययुगीन लिपियों पर प्रशिक्षित किया गया था। इस बात पर ज़ोर दें कि रुचि और धन उत्पन्न करने के लिए प्राचीन इतिहास को समझने के लिए सिंधु लिपि कितनी महत्त्वपूर्ण है। वित्तीय प्रोत्साहन कैसे सांस्कृतिक और भाषाई रहस्यों में रुचि को फिर से जगा सकते हैं, इसका एक उदाहरण तमिलनाडु की पुरस्कार पहल है। प्राकृतिक आपदाओं या शहरीकरण को पुरातात्विक स्थलों को नष्ट करने से रोकने के लिए अधिक विनियमन की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, मिस्र की किंग्स की घाटी का संरक्षण सांस्कृतिक विरासत को मानवीय हस्तक्षेप से बचाने के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। पुरातत्वविदों, भाषाविदों और एआई शोधकर्ताओं को लिपि को समझने के लिए विभिन्न विषयों में एक साथ काम करना चाहिए। एआई-आधारित पैटर्न पहचान और यूनेस्को के डिजिटल संग्रह कार्यक्रमों के लिए वैश्विक वित्त पोषण दो ऐसे पहलों के उदाहरण हैं जो अंतराल को पाट सकते हैं। इस रहस्यमय सभ्यता के सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए, एक प्रतिबद्ध अंतरराष्ट्रीय शोध संघ नवाचारों को बढ़ावा दे सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ श्रद्धालुओं के अमृत स्नान करने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान प्रयागराज में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में डुबकी लगाने का अनुमान है। उसने कहा कि इस सिलसिले में भीड़ और यातायात के कुशल प्रबंधन के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं। कुंभ में स्नान सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। वैसे तो मकर संक्रांति से शुरू होकर सभी दिन संगम में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है। फिर भी कुछ विशेष शुभ स्नान तिथियां हैं, जिन्हें 'अमृत स्नान' (जिसे पहले शाही स्नान कहा जाता था) के रूप में जाना जाता है। उनतीस जनवरी को मौनी अमावस्या महाकुंभ में तीसरी ऐसी शुभ तिथि होगी। पहले दो दिन 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) और 14 जनवरी (मकर संक्रांति) थे, जबकि अगले महीने तीन और दिन होंगे - तीन फरवरी (बसंत पंचमी), 12 फरवरी (माघी पूर्णिमा) और 26 फरवरी (महा शिवरात्रि)।

शुक्रवार को एक बयान में राज्य सरकार ने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालु उसी सेक्टर या जोन से वापस लौटें जहां वे पहुंच थे और किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं को 'संगम नोज या अन्य जोन' में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार ने कहा कि सभी अतिरिक्त जिलाधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्राधिकारी, उप-मंडल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। उसने कहा, महाकुंभ के सबसे महत्वपूर्ण पर्व के रूप में मौनी अमावस्या इस मेले की व्यवस्थाओं का केंद्र बिंदु है। इस वर्ष महाकुंभ को और अधिक भव्य और दिव्य बनाने के योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों के बीच प्रयागराज में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। सरकार ने कहा, श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 27 से 29 जनवरी तक विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर 'संगम नोज' पर आवागमन न्यूनतम करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकार ने कहा कि श्रद्धालुओं के आसानी से आगमन और स्नान के लिए 12 किलोमीटर लंबा घाट तैयार किया गया है। सरकार ने कहा, श्रद्धालुओं को अपने प्रवेश बिंदु के सबसे नज़दीकी घाट पर स्नान करने और वहीं से लौटने एवं अन्य क्षेत्रों में नहीं जाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। घाटों पर भीड़भाड़ को रोकने के लिए निकासी दल तैनात किए जाएंगे क्योंकि श्रद्धालुओं की सुरक्षित निकासी प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सरकार ने कहा कि प्रभावी भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए, कठोर अवरोधों और बैरिकेड्स पर 100 प्रतिशत नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए रस्सियां, 'लाउड हेलर', सीटियां, उड़न दस्ते और 'वॉच टावर टीम जैसे उपाये किये जाएंगे। मकर संक्रांति के पर्व पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया और अब महाकुंभ के सबसे बड़े पर्व मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं के त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान करने का अनुमान है।

ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा से जुड़ीं, पिंडदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर।अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने आध्यात्मिक दुनिया में कदम रखते हुए शुक्रवार को किन्नर अखाड़े के अंतर्गत खुद का पिंडदान कर संन्यास ग्रहण कर लिया और शाम सात बजे के करीब उनका महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक किया जाएगा। किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि उर्फ टीना मां ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ममता कुलकर्णी ने आज गंगा तट पर अपना पिंडदान किया और शाम सात बजे उनका महामंडलेश्वर के पद पर पट्टाभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ममता को दीक्षा देंगी। टीना मां के अनुसार, ममता पिछले दो वर्षों से जूना अखाड़ा से जुड़ी रही हैं और दो-तीन महीने पहले वह किन्नर अखाड़े के संपर्क में आई थीं।

महाकुंभः दैनिक जल परीक्षण, पूजा अपशिष्ट हटाना आदि गंगा को 'स्नान के लिए सुरक्षित' रखने के उपाय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। महाकुंभ के दौरान गंगा आस्था की डुबकी के लिए सुरक्षित रहे, यह सुनिश्चित करने के लिये प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नदी के पानी के नमूनों की प्रतिदिन जांच, पानी से फूलों और पूजा सामग्री को चौबीसों घंटे अलग करना, सभी अपशिष्ट जल (ग्रेवाटर) को उपचार सुविधाओं तक पहुंचाने के लिए 200 किलोमीटर लंबी अस्थायी जल निकासी व्यवस्था और मानव अपशिष्ट से निपटने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी जैसे उपाय किये जा रहे हैं। हर 12 साल में आयोजित होने वाला महाकुंभ, प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुआ और 45 दिनों तक चलेगा। अब तक आठ करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर डुबकी लगा चुके हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि 29 जनवरी को मौनी अमावस्या जैसे प्रमुख स्नान दिवसों पर 50 लाख लोग आएंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन आगंतुकों के कारण प्रतिदिन लगभग 1.6 करोड़ लीटर मल-मूत्र और लगभग 24 करोड़ लीटर ग्रेवाटर (खाना पकाने, कपड़े धोने और नहाने से उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट जल) उत्पन्न होने की उम्मीद है।

महाकुंभ मेले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) विवेक चतुर्वेदी के अनुसार, पवित्र स्नान के लिए नदी का पानी पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक टीम प्रतिदिन विभिन्न घाटों से नदी जल के नमूनों की जांच कर रही है और स्तर नियंत्रण में है। ध्यान देने का दूसरा क्षेत्र है पूजा के दौरान निकलने वाला अपशिष्ट, जो नदियों में जा रहा है। इसमें फूल, नारियल और अन्य चीजें शामिल हैं, जो अनुष्ठान के भाग के रूप में चढ़ाई जाती हैं। हमने हर दो घंटे में नदी से इन्हें निकालने के लिए विभिन्न घाटों पर मशीनें तैनात की हैं।

उन्होंने कहा, गंगा सेवादूतों की एक टीम है, जो नदी और घाटों की शुद्धता बनाए रखने के लिए सामग्री को तुरंत एकत्र करने और उसका निपटान करने के लिए घाटों पर तैनात रहती है। वे बारी-बारी से पालियों में काम करते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष कुंभ मेले पर राज्य सरकार द्वारा खर्च किए जा रहे 7,000 करोड़ रुपये में से 1,600 करोड़ रुपये अकेले जल और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा 1.45 लाख शौचालयों की स्थापना; शौचालयों के अस्थायी सेप्टिक टैंकों में एकत्रित अपशिष्ट और कचरे को संभालने के लिए पूर्वनिर्मित अवजल उपचार संयंत्र (एफएसटीपी) की स्थापना; सभी अपशिष्ट जल को उपचार सुविधाओं और अस्थायी और स्थायी अवजल पाइपलाइनों तक पहुंचाने के लिए 200 किलोमीटर की अस्थायी जल निकासी प्रणाली की स्थापना; जल उपचार तालाबों का निर्माण; कचरा ले जाने वाले वाहनों की तैनाती और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग भी अपनाए जा रहे स्वच्छता उपायों में शामिल हैं। अधिकारी मानव अपशिष्ट, विशेषकर मल और अपशिष्ट जल से निपटने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पानी हमेशा नहाने लायक हो। दिशा-निर्देशों और विनिर्देशों के अनुसार, बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड) तीन (यूनिट) से कम होना चाहिए, यानी स्नान योग्य गुणवत्ता का। बीओडी जितना अधिक होगा, अशुद्धता उतनी ही अधिक होगी। अशुद्धता कार्बनिक पदार्थ के रूप में होती है।

उन्होंने कहा, इसलिए सभी नाले, जो अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) में नहीं जा रहे हैं, उन्हें विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अस्थायी रूप से रोका जा रहा है, और हम उन्हें उपचारित करेंगे, तथा किसी भी अनुपचारित अवजल को नदी तक नहीं पहुंचने देंगे। सिंह ने बताया कि प्रत्येक शौचालय के नीचे सिंटेक्स (प्लास्टिक का पानी) टैंक रखा जा रहा है, ताकि मल जमीन तक न पहुंचे। उन्होंने कहा, लगभग तीन-चौथाई क्षेत्र बलुआ है, और नदी से पुनः प्राप्त किया गया है। इसलिए, यदि आप इसे (मल को) जमीन तक पहुंचने देते हैं, तो यह अंततः रिसकर 20-30 दिनों में नदी तक पहुंच जाएगा, और 2019 से पहले ऐसा ही होता था। इस बीच, महाकुंभ में कपड़े के थैले, स्टील की प्लेटें और गिलास वितरित किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम प्लास्टिक मुक्त हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल द्वारा प्लास्टिक की थैलियों और उपयोग के बाद फेंकने योग्य वस्तुओं की जगह लेने के लिए पुरानी जीटी रोड पर सेक्टर 18 में एक प्लेट, एक थैला अभियान शुरू किया गया है।

कुंभ मेले की झलकियां

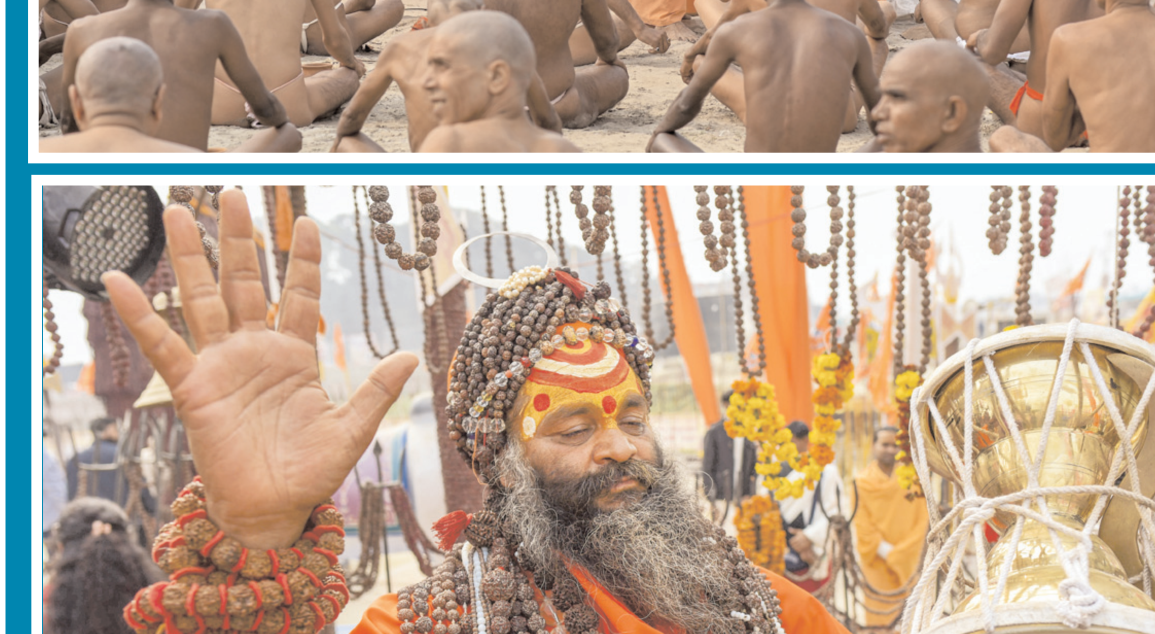

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

'नाट्य फेस्ट 'नामक अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता में दस विद्यालयों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के सनातन धर्म विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय सचिव एसपी बाहेती , विद्यालय कोषाध्यक्ष सुनील डागा, विद्यालय प्राचार्या एस लता, विद्यालय के पाठ्येतर समन्वयक गिरी बागड़ी, वंदना भट्टड, समिति सदस्य विजयकुमार गोयल, विजय माहेश्वरी आदि की उपस्थिति में शिक्षिकाओं और छात्राओं की उपस्थिति में नाट्य फेस्ट नामक अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल दस विद्यालयों के 192 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राथमिक स्तर पर हिन्दी, अंग्रेज़ी और तमिल में भाषण ,तिरुक्कुरल, चित्रकला और स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं दूसरी पारी में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत नृत्य से किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया गया। निर्णायकभरतनाट्यम नृत्यांगना लावण्या, भरतनाट्यम कलाकार, कोरियोग्राफर और शिक्षक उत्तिया बरुआ के परिचय के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। बोर्ड परीक्षा में सेंटम और शत प्रतिशत परिणाम प्रदान करने के लिए विद्यालय शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। निर्णायक गणों ने अपने विचार व्यक्त किए। विभिन्न वर्गों के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

परम लाइफस्टाइल सोसाइटी में गणतंत्र दिवस पर होंगी खेलकूद प्रतियोगिताएं

चेन्नई। शहर के पेरमबुर स्थित परम लाइफस्टाइल हाउसिंग सोसाइटी में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सोसायटी में रहने वाले परिवारों हेतु खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया है। अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने बताया कि सोसाइटी में 150 से अधिक उत्तर भारतीय परिवार रहते हैं जिनके स्वस्थ मनोरंजन हेतु गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। झंडारोहण, देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के उपरांत दिनभर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में खेल प्रतियोगिताओं के अलावा बच्चों के लिए गेम स्टाल, फूड स्टॉल, हाउजी गेम, फोटो बूथ, संगीत, डांस सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सचिव पंकज डूंगरवाल, सहसचिव अनीता केडिया सहित अनेक पदाधिकारीगण तैयारियों में जुटे हुए हैं।

पावरग्रिड को उद्यान प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मिला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पावरग्रिड के क्षेत्रीय मुख्यालय, एसआर-2 को कर्नाटक के बागवानी विभाग द्वारा आयोजित केंद्र सरकार उद्यान प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मिला है। इस प्रतियोगिता का आयोजन बेंगलूरु के लालबाग में किया गया। ईडी (एसआर-2) टीआर कृष्णकुमार ने जीएम (एचआर) थानवीर एम और अन्य अधिकारियों के साथ शुक्रवार को यहां आयोजित समारोह में चिकपेट के विधायक उदय बी गरुड़ाचार से पुरस्कार प्राप्त किया।

सांस्कृतिक हब्बा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नम्मा कर्नाटक जनसेना नेलमंगला द्वारा बसवा देवरमठ में सांस्कृतिक हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। इस हब्बा में स्कूली बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुणोत ने सभी बच्चों व आयोजकों के प्रयास को सराहा। सेना के अध्यक्ष नरसिंम्हया आदि ने मुणोत का सम्मान किया।

रिहर्सल

अमृतसर में शुक्रवार को गुरु नानक स्टेडियम में आगामी गणतंत्र दिवस के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पंजाब पुलिस के जवान।

थिरुक्कुरल का जादू चिरस्थायी और प्रेरणास्पद है : केंद्रीय मंत्री मुरुगन

वैश्विक थिरुक्कुरल सम्मेलन जल्द ही नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुदुचेरी। शहर के पांडिचेरी विश्वविद्यालय में सम्मोहन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन शामिल हुए। मुरगन ने कार्यकम का उद्घाटन करते हुए अपने विचार व्यक्त करते हुए घोषणा की कि वैश्विक थिरुक्कुरल सम्मेलन जल्द ही नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा तथा सरकार इस प्रतिष्ठित आयोजन की सक्रिय रूप से तैयारी कर रही है। मंत्री ने कहा कि थिरुक्कुरल का जादू चिरस्थायी है तथा इस शास्त्रीय पुस्तक को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खजानों में से एक माना जाता है। तिरुक्कुरल, तमिल भाषा में लिखित एक प्राचीन मुक्तक काव्य रचना है। तिरुवल्लुवर इसके रचयिता थे।

डॉ. एल. मुरुगन ने मदुरै जिले के मेलूर के आस-पास के गांवों के लोगों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद टंगस्टन खनन परियोजना को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। अपने उद्घाटन भाषण में, मंत्री ने स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, शिथिलता को रोकने और महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप करने के लिए एक एकीकृत और अनुकूलनीय उपकरण के रूप में सम्मोहन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर दिया कि इस तरह के सम्मेलन महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देते हैं और मानव जीवन भर में सम्मोहन की समझ और अनुप्रयोग को आगे बढ़ाते हैं।

डॉ. एल. मुरुगन ने सम्मोहन के क्षेत्र में अन्वेषण के विशाल अवसरों को भी रेखांकित किया, जिसमें अभूतपूर्व शोध और केस स्टडी से लेकर अंतर-विषयी सहयोग तक शामिल हैं। उन्होंने युवा विद्वानों, चिकित्सकों और उद्योग के नेताओं को इस आशाजनक क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने भारत के अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कदम के रूप में वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी सरकारी पहलों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, मंत्री ने दो पुस्तकों, बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स और उलवियाल सोरकलंजियम का विमोचन किया, जिन्हें पांडिचेरी विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक (प्रभारी) प्रो. पंच रामलिंगम ने लिखा है। उन्होंने एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स और इंडियन स्कूल ऑफ साइकोलॉजी एसोसिएशन लीडरशिप अवार्ड्स 2024 भी प्रदान किए।

प्रो. के. थारानिकरसु, कुलपति (प्रभारी), पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। पुदुचेरी विधानसभा के अध्यक्ष आर. सेल्वम, शिक्षा मंत्री नमस्सिवायम, विधायक पीएमएल कल्याणसुंदरम विधायक, पुडुचेरी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. मोहन, कुलपति, रजिस्ट्रार, प्रो. रजनीश भूटानी, एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस के अध्यक्ष प्रो. भूपेंद्र पालन ने भी भाग लिया। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन इंडियन स्कूल ऑफ साइकोलॉजी एसोसिएशन, एकेडमी ऑफ हिप्नोसिस, वडोदरा और पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

'लीग ऑफ लेडी लेजेंड्स' बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की हुई नीलामी

जीतो साउथ लेडीज विंग एक फरवरी को आयोजित करेगी टूर्नामेन्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ लेडीज विंग ने लीग ऑफ लेडी लेजेंड्स, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन जीतो कार्यालय में किया गया। लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह नीलामी कार्यक्रम नहीं अपितु महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम है। संयोजिका साक्षी नाहर ने नियम और शर्तों को समझाते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। नीलामी कार्यक्रम में 8 टीमों ने हिस्सा लिया। ट्रैवर्जी टाइटन्स टीम की कप्तान अंगिका बाफना ने, जस्ट रैपरर्स टीम की कप्तान निधि पालरेचा, सिंबायोसिस स्ट्राइकर टीम की कप्तान अर्पिता लाधानी, मनोरंजन स्टार्स टीम की कप्तान नीलम शांड, मैक्स राइडर्स टीम की कप्तान जयश्री बागरेचा, कल्टिवेटेड कराटस टीम की लीडर सुप्रिया सम्पत, सव्वी वारियर्स की कप्तान सविता पोरवाल और चोकडी टीम की संयुक्त नेतृत्व स्वेता लुनिया, मीनाक्षी बेगवानी, मनीषा बेगवानी और उत्साह छिंडालिया ने किया।

कार्यक्रम का संचालन अवधी चौहान और तक्ष नाहर ने किया तथा प्रत्येक खिलाड़ी पर उत्साह के साथ बोली लगाई गई। सह-संयोजिका सोमना सिसोदिया ने धन्यवाद दिया।

यह बहुप्रतीक्षित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 1 फरवरी को जीटी मॉल में आयोजित किया जाएगा। नीलामी में मुख्य सचिव निधि पालरेचा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, समिति सदस्य राशि जैन, प्रिया गांधी, संगीता सियाल, अस्मिता चौहान, अंगीका बाफना, निशा कोठारी और वनिता बचावत ने भाग लिया।

तेयुप गांधीनगर द्वारा स्कैनिंग मशीन व सेल काउंटर मशीन का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थित आचार्य तुलसी लैब में आर3 स्कैनिंग मशीन व सेल काउंटर मशीन का शुभारंभ विधि से किया गया। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में उद्घाटन अवसर पर समाज के विभिन्न प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति रही। डागा ने तेयुप बेंगलूरु के विकासकार्यों की सराहना करते हुए सरगम कार्यक्रम करवाने की स्वीकृति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित युवा गौरव विमल कटारिया ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया और समाज के त्रिआयामी लक्ष्यों-सेवा, संस्कार एवं संगठन-पर जोर देते हुए अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने तेयुप व टीपीएफ के सहयोग से पूरे भारत वर्ष की सभी शाखाओं में शिविरों का आयोजन करने का प्रस्ताव दिया। तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली और शाखा प्रभारी अमित दक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। जीएस वरसाना प्रीमियर आर-3 स्कैनिंग मशीन का उद्घाटन लादुराम सुमेरमल डूंगरवाल परिवार तथा होरीबा यूमीजेन एच500 ओटीसेल काउंटर मशीन का उद्घाटन मार्गदर्शन फाउंडेशन के कमलेश डूंगरवाल ने किया। नवीन मशीनों के लिए रोशनलाल, दिनेश, राकेश, अरविंद पोखरणा, डालमचंद, सिद्धार्थ, दीपक, सुराणा, महावीरचंद, राजकुमार कोटेचा और हनुमानमल, संजय बैद परिवार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस मौके पर सत्कार चौका की अनुदान राशि राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा को प्रदान की गई। तेयुप बुक रीडिंग रूम का उद्घाटन और संगठन यात्रा का आगाज भी उनके करकमलों द्वारा किया गया। अध्यक्ष विमल धारीवाल ने स्वागत करते हुए समाज को नई तकनीकी और संसाधनों से जोड़कर सेवा के नए आयाम स्थापित करना है। एटीडीसी संयोजक व पूर्व अध्यक्ष रजत बैद ने नई मशीनों की विशेषताएँ और उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि इन मशीन के क्रय के लिए विशेष श्रम पूर्व अध्यक्ष विनय बैद और तरुण पटावरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री राकेश चोरड़िया ने किया।

सूर्य सप्तमी महोत्सव 4 फरवरी को, तैयारियां शुरु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भुवन भास्कर का प्राकट्योत्सव सूर्य सप्तमी महामहोत्सव चार फरवरी को शहर के जेपीनगर स्थित सूर्य मंदिर में समाज प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में भव्यता से मनाई जाएगी। इस दिन प्रातः भगवान भास्कर का महाभिषेक, सूर्य हवन, वरघोड़ा, भजन संध्या, सम्मान एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। इस वार्षिक महापर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर है जिसमें शुभ मुहूर्त में पत्रिका लेखन कर निमंत्रण पत्रिका वितरण का शुभारंभ हो गया। सूर्य सप्तमी आयोजन को लेकर समाजबंधुओं में उत्साह है।

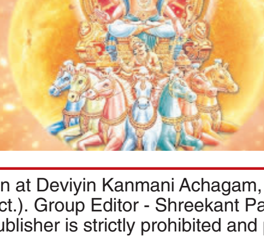

उत्तरप्रदेश सेवा मंडल का रामोत्सव व अन्नदान कल

बेंगलूरु। उत्तरप्रदेश सेवा मंडल द्वारा अयोध्या में श्री रामलला मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को गांधी नगर स्थित वैष्णव समाज भवन में राम उत्सव एवं अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मंडल के अध्यक्ष केके दुबे और सचिव वीके पटेल ने बताया कि गणतंत्र दिवस के दिन राम उत्सव मनाया जाएगा। सुबह अन्नदान, शाम को राम दरबार में प्रभु श्री रामलला की पूजा-अर्चना के पश्चात भजन संध्या शुरू होगी, जिसमें मंडल के उपाध्यक्ष एवं भजन गायक प्रवीण मिश्रा एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.